मूल्य रु. ५-००

# श्री स्वामिनारायण

मासिक

प्रकाशन दिनांक प्रत्येक महिने की ११ तारीख ● पूर्ण अंक १९७ ● डिसम्बर -२०२३

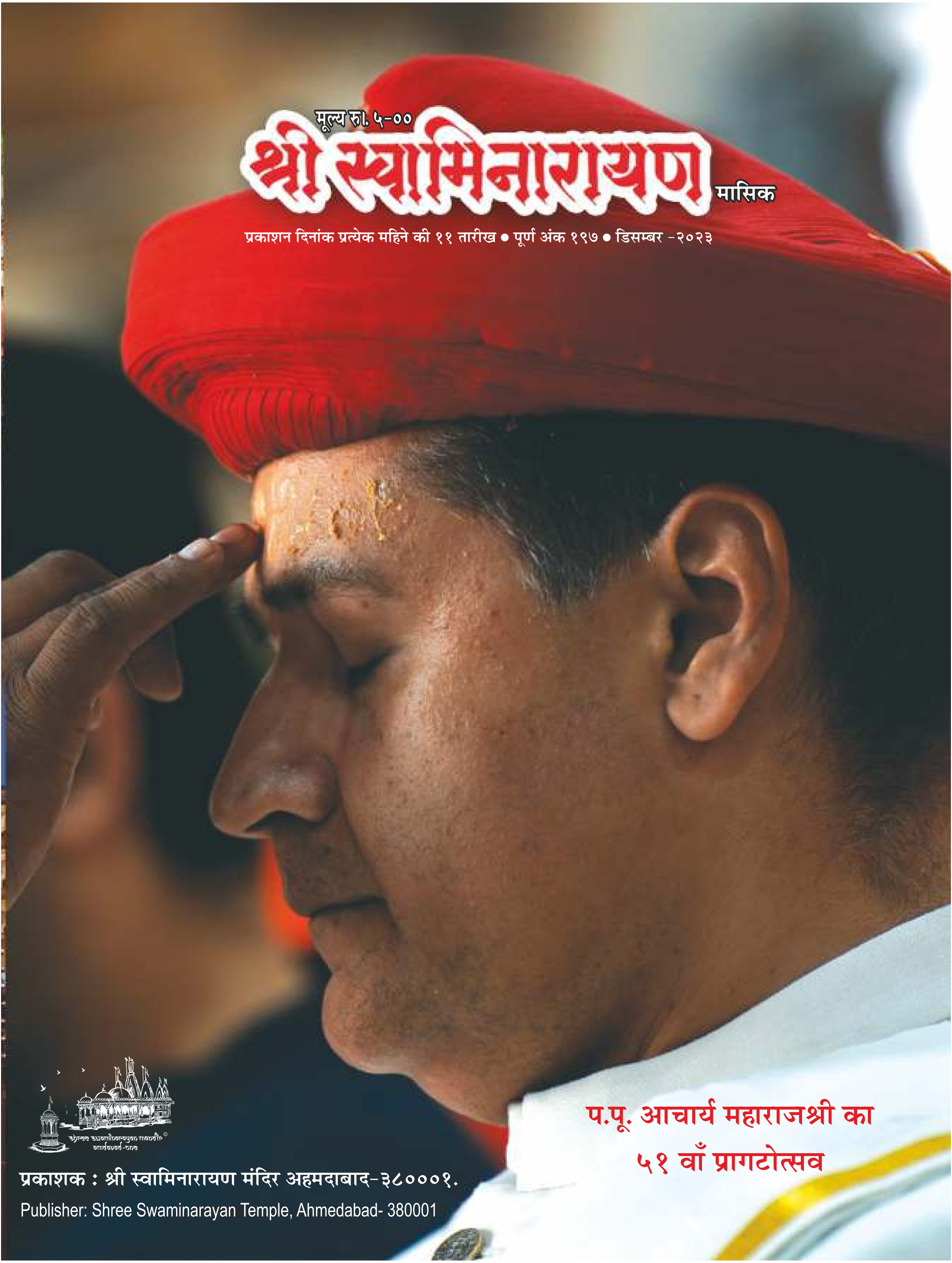

## प.पू. आचार्य महाराजश्री का ५१ वाँ प्रागटोत्सव

प्रकाशक : श्री स्वामिनारायण मंदिर अहमदाबाद-३८०००१.
Publisher: Shree Swaminarayan Temple, Ahmedabad- 380001

अहमदाबाद मंदिर में नवतर प्रयोग रुप में अनाज का अन्नकूट किया गया । और सब प्रसादी का अनाज जरुरतमंदो को बाँटा गया था ।

अहमदाबाद मंदिर में समूह चोपडा पूजन करते प.पू. आचार्य महाराजश्री ।

अहमदाबाद मंदिर में कालीचौदश को श्री हनुमानजी का पूजन करते हुए प.पू. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री ।

मेमनगर में मूर्ति प्रतिष्ठा के अवसर पर पधारे गुजरात के मुख्य मंत्रीश्री भूपेन्द्रभाई पटेल का सम्मान करते प.पू. बड़े महाराजश्री ।

# श्री स्वामिनारायण

श्री नरनारायणदेव पीठस्थान मुखपत्र

वर्ष - १७ ● अंक : १९७ ● डिसम्बर-२०२३


## अ नु क्र म णि का


| | | |
|---|---|---|
| ०१. | अस्मदीयम् | ०४ |
| ०२. | प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री के कार्यक्रम की रुपरेखा | ०५ |
| ०३. | देव | ०६ |
| ०४. | पूनम सत्संग सभा आशीर्वचन | ०७ |
| ०५. | श्री स्वामिनारायण म्युझियम के द्वार से | १० |
| ०६. | भक्ति सुधा | ११ |
| ०७. | सत्संग समाचार | १९ |


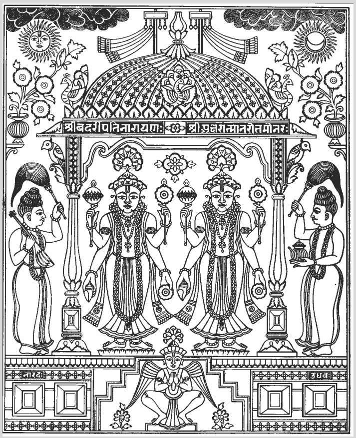



संस्थापक

श्री नरनारायणदेव पीठाधिपति
प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री १००८
श्री तेजेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री
श्री स्वामिनारायण म्युजियम
नारायणपुरा, अहमदाबाद.
फोन : २७४९९५९७ ● फोक्स : २७४१९५९७
www.swaminarayanmuseum.com

श्री नरनारायणेदव पीठाधिपति
प.पू.ध.धु. आचार्य १००८
श्री कोशलेन्द्रप्रसादजी महाराजश्रीकी
आज्ञा से
तंत्रीश्री
स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी
( महंत स्वामी )
मो. ९३१३७१९२३२

पत्र व्यवहार

श्री स्वामिनारायण मासिक कार्यालय
श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर,
अहमदाबाद-३८० ००१.
मो. ९३१३७०६०९५
magazine@swaminarayan.in
www.swaminarayan.info
पतेमें परिवर्तन के लिये
E-mail : magazine@swaminarayan.in

मूल्य - प्रति वर्ष ५०-०० ● प्रति कोपी ५-००

श्री स्वामिनारायण

# अस्मदीयम्

प्रिय हरिभक्तो, ये दिवाली आई और चली भी गई । नया वर्ष भी प्रारम्भ हो गया है । हम सभी एक दूसरे को नये वर्ष की बधाई, सभी प्रकार के सुख, संम्पत्ति और समृद्धि प्राप्त हो ऐसी भावना व्यक्त करते है । लेकिन... मेरे भाई । हम सभी को ( सर्वन्निजाश्रितान ) तो स्वयं भगवान सहजानंद स्वामीने अपने करकमलो से शिक्षापत्री लिखकर दिये है । जिसमें इहलोक तथा परलोक में महासुखी होने के बचन दिये है ।

''और हमारे आश्रित स्त्री और पुरुष जो भी सिक्षापत्री के अनुसार व्यवहार करेगा । तो वह धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारो पुरुषार्थो की प्राप्ति निश्चय करेगा ।''

महाराज कहते है कि यह शिक्षापत्री सभी मानवो को मनवांछित फल देने वाली है । तो दूसरा क्या चाहिए ?

हम सभी को सुख, सम्पत्ति, समृद्धि सब कुछ चाहिए । दूसरे को भी भगवान दे हमे ऐसी ''वोटएप'' करके प्रार्थनाक रते है । लेकिन श्रीजी महाराज आज से १९८ वर्ष पहले लिखित में सुखी होने, मोक्ष प्राप्त करने का मार्ग दिखाये है । केवल ! हम सभी को उस मार्ग पर चलना है ।

''इस उद्देश्य के लिये हमारे सभी आश्रित जो सभी ( ममाश्रितै ) सत्संगी सावधानी पूर्वक प्रतिदिन इस शिक्षापत्री का अनुसरण करे । अपने मन से कुछ नही करे ।''

महाराज के द्वारा प्रस्थापित श्री नरनारायणदेव, पू. बड़े महाराजश्री, पू. आचार्य महाराजश्री, पू. लालजी महाराजश्री तथा पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद से अपने साथ रहे ।और हम सभी शिक्षापत्री के अनुसार व्यवहार करे । इसमें क्या कमी है । चारो पुरुषार्थ, मोक्ष तक हमें कोई विघ्न नही आयेगा । इसकी गारंटी भगवान स्वयं लिये है ।

नये वर्ष का श्री स्वामिनारायण मासिक के सभी वाचको ( पाठको ) और हरिभक्तो को हमारा स्नहे से पूर्ण जय श्री स्वामिनारायण ।

संपादकश्री (महंत स्वामी)
शास्त्री स्वामी पुरुषोतमप्रकाशदासजी का
जयश्री स्वामिनारायण

## प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री कार्यक्रम की रुपरेखा

(अक्टूबर-२०२३)

२० अ.नि. स.गु. शास्त्री स्वामीश्री हरिकेशवदासजी के गुणानुवाद सभा में पधारना - कालुपुर मंदिर।
२२ प.भ. अशोककुमार उमेदराम पटेल ( ईटादरावाले ) के यहाँ पधारना - कोबा।
२४ ५१ वीं प्राकट्योत्सव प.पू. बड़े महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री के सानिध्य में संत-हरिभक्तो द्वारा श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में मनाया गया।
२८ कालुपुर मंदिर आश्विन शुक्ल पक्ष-१५ पूनम के सत्संग सभा में पधारना।

(नवम्बर-२०२३)

१ श्री स्वामिनारायण मंदिर, बालासिनोर नूतन सिंहासन तथा पुनः प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर पधारना।
११ श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर काली चौदश को श्री हनुमानजी महाराज की पूजा-आरती करने पधारे थे।
१२ श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर समूह शारदा-चोपडा पूजन अपने करकमलो के द्वारा पूर्ण किये।
१३ दिवाली को श्री नरनारायणादि देवोकी अन्नकूट आरती पर पधारना।
१४ नये वर्ष के अवसर पर अपनी बैठक में संत-हरिभक्तो को दर्शन एवम् आशीर्वाद देते हुए।
१६ माणसा में कथा पारायण के प्रसंग पर पधारना।
१७ श्री स्वामिनारायण मंदिर धूलकोट ( हालार-मूली प्रदेश ) दशाब्दी महोत्सव के अवसर पर पधारना।
१९-२० कंथकोट ( कच्छ ) श्री स्वामिनारायण मंदिर मूर्ति प्रतिष्ठा पर पधारना।
२४ बिलोदरा गाँव में दशाब्दी पाटोत्सव महोत्सव के अवसर पर पधारना।
२५ श्री स्वामिनारायण मंदिर भक्तिनगर-मेमनगर मूर्ति प्रतिष्ठा पर पधारना।
२६ कुडासण गांधीनगर नूतन श्री स्वामिनारायण मंदिर के भूमि पूजन पर पधारना।
२७ कालुपुर मंदिर कार्तिक मास की पूनम सभा में पधारना।
२९ श्री स्वामिनारायण मंदिर सुरेन्द्रनगर पाटोत्सव अवसर पर पधारना।

## प.पू. लालजी महाराजश्री के कार्यक्रम की रुपरेखा

(अक्टूबर-२०२३)

२० अ.नि. स.गु. शास्त्री स्वामीश्री हरिकेशवदासजी के गुणानुवाद सभा में पधारना - कालुपुर मंदिर।
२४ प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्रीनो ५१ वें प्राकट्योत्सव अपने शुभ सानिध्य में उल्लास पूर्वक पूर्ण किया गया।
२८ श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर शरद पूनम का सत्संग सभा के अवसर पर पधारना।

(नवम्बर-२०२३)

५ कलोल ( पंचवटी ) श्री स्वामिनारायण मंदिर सत्संग युवा शिबिर अपनी अध्यक्षता में पूर्ण किये।
९ कोटेश्वर गुरुकुल जरूरियातमंद लोगो लिये प्रसाद वितरण।
११ श्री वीर हनुमानजी महाराज श्री स्वामिनारायण बाग असारवा कालीचौदश को मारूतियज्ञ के अवसर पर तथा अहमदाबाद कालुपुर मंदिर श्री हनुमानजी महाराज के आगमन पर पधारना।
१३ श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर दिवाली को श्री नरनारायणादि देवो की अन्नकूट आरती के अवसर पर पधारना।
१४ नये वर्ष में श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर अपने बैठक में संत-हरिभक्तो को दर्शन आशीर्वाद देना।
१९ माणसा गाँव में कथा पारायण के अवसर पर पधारना।
२७ कालुपुर मंदिर में कार्तिक मास के पूनम की सभा पर पधारना।
२३ मेमनगर-भक्तिनगर श्री स्वामिनारायण मंदिर मूर्ति प्रतिष्ठा के अवसर पर पधारना।
२५ श्री स्वामिनारायण मंदिर नारायणघाट कथा के अवसर पर पधारना।

# देव



– साधु पुरषोत्तमप्रकाशदास ( जेतलपुरधाम )

भगवान श्री स्वामिनारायण ने अपने हाथो से नव निर्माण कराके उसमें स्वयं भगवानने अपने स्वरुप ऐसे श्री नरनारायणदेव, लक्ष्मीनारायणदेव, आदि की प्रतिष्ठा किये थे । उसमें अहमदाबाद में सर्व प्रथम मंदिर को अपने नियंत्रण में लेकर श्री नरनारायणदेव, भुज में श्री नरनारायणदेव, मूली में श्री राधाकृष्णदेव, वडताल में श्री लक्ष्मीनारायणदेव, जेतलपुर में श्री रेवती बलदेवजी, धोलेरा में श्री मदनमोहनदेव, धोलका में श्री मुरली मनोहर देव, जुनागढ में श्री राधारमणदेव और गढडा में श्री गोपीनाथजी देव ।

भगवान के सभी नामो के पीछे ''देव'' शब्द लगा रहता है । परब्रह्म पूर्ण पुरुषोत्तम आदि अनादि परमात्मा भगवान को ''देव'' शब्द से कहने से कई लोग श्री नरनारायणदेव, लक्ष्मीनारायणदेव स्वर्ग की है । जो ''देव'' के साथ तुलना करते है । और् कहते है कि यह तो ''देवो'' के स्वरुप महाराज ने प्रतिष्ठित किये है । ऐसा बहाना उसे मिल गया है जो सम्प्रदाय से अलग हो गये है । कि हमारी उपासना सच्ची है । महाराज तो मंदिरो में देव प्रतिष्ठित किये है । हमें देव का भजन नही करना है । इस लिये हमारे मंदिर अलग है । ऐसे मनगढंत बहाने बनाकर सर्वोपरि स्वामिनारायण भगवान के द्वारा पूरे किये मंदिरो का खंडन करते रहते है । यह सब अधिक समय से चल रहा है।

स्वामिनारायण भगवानने अपने हाथो द्वारा प्रतिष्ठित कई अर्चा विग्रह स्वरुप में देव शब्द लगाया जायेगा । इस सम्प्रदाय की स्थापना पूर्व से यह परम्परा चली आ रही है । श्रीमद् भागवत में इस परम्परा का वर्णन है । जिसमें भगवान कृष्ण के पौत्र अर्थात् श्री कृष्ण के पुत्र प्रद्युम्नजी उनके पुत्र अनिरुद्धजी उनके पुत्र व्रजनाभ राजाओ ने ''देव'' लिखने की परम्परा बनाये रखे थे ।

भगवान श्री कृष्णजी स्वधाम गये । तत्पश्चात नंद आदि गोपो के पुरोहित श्री शांडिल्यऋषि के व्रजनाभ राजा के प्रति भगवान श्री कृष्ण के बाललीला केमहिमा का वर्णन अत्यंत भावपूर्वक किये । इसके बाद ब्रजनाभ राजा ने भगवान श्री कृष्ण की अनेक लीलाओ के आधार पर प्रसादी के स्थानो पर मंदिर बनाकर लीला विग्रह की स्थापना किये थे । इसमें भगवान श्री कृष्ण के अर्चा विग्रह स्वरुपो का नाम करण किये थे । वे ''श्री गोविंद देव'' गोपीनाथजीदेव, मदनमोहनदेव, श्रीहरि देव श्री राधारमणदेव श्री मुरली मनोहरदेव इत्यादि ''देव'' संज्ञावाचक कहकर नामकरण किये थे । ये स्वरुप परब्रह्म परमात्मा श्रीकृष्ण के स्वरुप है । यह कोई स्वर्गीय देवो का अनुसंधान नही है । प्रेमलक्षी भक्ति मार्ग में पुष्टिमार्गीय परम्परा में अपने आराद्यदेव अति स्नेह वस साधक सम्बोधन में कही शब्द भेद नही दिखाई देता है तो उसमें कोई दोष नही मानते है । भगवान तो भक्त के हृदय के भाव को देखते है । इस अवसर की पुष्टि भगवान वेदव्यासजी स्कंद पुराण में वैष्णव खंडमें बताये है । राजाब्रजनाथजी मात्र कृष्ण की भक्ति का प्रयास किये है । शेष तालाब कुँवा, बाग-बगीचे स्मारक बनवाये थे । तथा गोकुल-वृंदावन, बरसाना का जीर्णोध्धार करवाये थे । व्रजवासियो का घर बनाकर व्रजभूमि की बालकृष्ण की सभी स्मृतिओ को जीवित किये थे ।

अपने सम्प्रदाय के विशिष्टद्वैत सिद्धान्त, गुरु मंत्र दीक्षा और मंदिरो के भागवत धर्म के आधार पर सद्गुरुरामानंद स्वामी तथा आराध्यदेव स्वामिनारायण भगवानने हम सभी को दिये है । यह परम्परा सुरक्षित रखना अति आवश्यक है । वर्तमान समय में अपने को सबसे अधिक ज्ञानी मानकर आराध्यदेव के द्वारा बनाये गये परम्परा में अनेक प्रकार के शंका व्यक्त करके सीधे हरिभक्तो के मन को विचलित कर रहे है । श्रीजी महाराजने अपने हाथो द्वारा नव मंदिर की स्थापना किये । वे भगवत स्वरुप परब्रह्म स्वरुप, परमात्मा जिसकी अनंत कोटि ब्रह्मांड में उपासना होती है । जिसका स्मरण करके

( पेईज नं. १० )

श्री स्वामिनारायण

# पूनम सत्संग सभा

# आशीर्वचन

– संकलन : गोरधनभाई वी. सीतापरा ( हीरावाडी–बापुनगर )

**प.पू. लालजी महाराजश्री ता. ३१-०८-२०२३ :** मैं मानता हूँ कि जब तक, मेरे व्यक्तिगत अनुभव से संसार में दो ऐसे स्थान है। जहाँ पर पैर रखते ही मन के अंदर, हृदय के अंदर कोई विकार हो तो सब समाप्त हो जाता है। सभी प्रकार की चिंता समाप्त हो जाती है । वह स्थान श्री नरनारायणदेव का प्रांगण और दूसरी जगह छपैया में श्री स्वामिनारायण भगवान का जन्म स्थल है। इन दोनो स्थानो पर आते ही सभी दुःख दूर हो जाता है। शांति का अनुभव मिलता है।

श्री नरनारायणदेव की महिमा हम सभी कथा वार्ता के माध्यम से सुनते रहते है । शास्त्रो का पठन करते है । लेकिन जब तक वह अन्तःकरण में नही आता है । उसका अनुभव नही होता है। यहाँ पर आये प्रति आदमी साक्षी है कि उनके हृदय में कही न कही नरनारायणदेव का साक्षात्करण अवश्य हुआ होगा । क्योकि यह केवल मूर्ति ही नही स्वामिनारायण भगवान का स्वरुप है। ये साक्षात् हम लोगो के पास हो । हमें उनका होकर रहना है । भजन करे । और नरनारायणदेव जिस में खुश हो ऐसा व्यवहार करना चाहिए।

३-४ महीन से हमने पूनम की सभा शुरु की है । हमारे इस संकल्प की संतोने सराहा है । महाराजजी तथा मेरा जो भी संकल्प होता है । उसे पूर्ण करने के लिये संत सदैव तत्पर रहते है। हरिभक्त सहयोग करते है। आज कार्य दिवस रहने के बाद भी सभा को सफल बनाने के लिये लोग अधिक संख्या में आये है। गाँव से भी हरिभक्त आये है । आप सब का आभार है। तथा आग्रह है कि आगामी पूनम पर अधिक से अधिक संख्या में आये। आज आये हुए सभी हरिभक्तो की मनोरथ पूर्ण हो । सुख शांति तथा समृद्धशाली बने । ऐसे आज के दिन नरनारायणदेव के चरणो में प्रार्थना करते है।

**प.पू. महाराजश्री ता. २९-०९-२०२३ :** आशीर्वाद देव के पास से मिलता है। हम नही देते है। पूनम के दिन अवश्य नरनारायणदेव के दर्शन के लिये आये । यह महाराज का आदेश है। सभी लोग लाभ प्राप्त करे । हम स्वामी से बोल दिये है । अयोध्याप्रसादजी दादा का हाल है । वहाँ पर गद्दा–रजाई–पंखा की व्यवस्था हो जायेगी ? पानी तथा नहाने–धोने की व्यवस्था हो जायेगी । आप लोग तो दर्शन करने आते ही है। प्रातः से शायंकाल तक कई भक्त दर्शन के लिये आते है। यदि हम सभी की पूँजी और धरोहर है। इसकी रक्षा करना अपना कर्तव्य है।

स्वामीने करुणाभरी कथा कहे है। किसीने तो काँटे–कंकड को सहा है । दुःख सहन किये है। तभी आज हम सभी सुखी है। यह सत्य है। मैं इतिहास को नही कहना चाहता हूँ। लेकिन इतिहास का विस्मरण नही होना चाहिए। कई बार बड़े लोग इतिहास इतना कह देते है कि बच्चे स्थान छोडकर चले जाते है।

महाराजने एक वाक्य में लिखे है कि आप सभी हमारे उदाहरण को सफल करे । इस शब्द पर अधिक बल दिये है। अच्छे बनकर अर्थात क्या ? नई पीढी को ज्ञान नही है। दया करे बापा, कब से बाकी है । तो अन्दर से क्या भाव बनता है। महाराज का आशय

इतना हीहै कि यह उदाहरण हमने जो दिखाया है। यह आप लोगो के लिये है। आप के परिवार तथा आनेवाले पीढी के लिये है। इस लिये देवका सहारा संस्कार तथा यह भगवान भूल नही जाये। यह मैं ध्यान देतना है। हम लोगो को बड़ी परम्परा मिली है। देव के प्रांगण में बैठकर कथा-वार्ता, धुन, कीर्तन का लाभ हम सभी को मिल रहा है।

एक सैनिक मिट्टी को लेकर अपने माथे पर लगाता है।इस देश में वृक्ष की पूजा की जाती है। गाय का स्पर्श करके माथे पर चढाते है। गाय की पूँछ पकडकर माथे पर लगाता है। यह परम्परा है। यह सिद्धान्त है। पूजनीय कौनहै ? जिसके कृपा से बड़े हुए है। पेड़-पौधे आक्सीजन देते है। सभी जमीन से पैदा होते है। पंचभूत से अपनी शरीर बनी है। माँ के दूध पीने के बाद गाय माता का दूध पीये है। गाय की एक विशेषता है कि गाय को आप कुछ भी खिलाये और गाय कभी कभार कचरा भी खालेती है। राहदारी गाय गंदे वातावरण मे से कुछ भी खा लेती है। फिर भी वैज्ञानिक रुप से परीक्षण किया गया दूध Toxic ( जहरीला ) नही होता है। यह सत्य बात है।

हमारी एक सनातन परम्परा है कि जिसके कारण हम बड़े हुऐ है। उनके प्रति कृतध्न नही रहते है। गुण बुद्दि रखना चाहिए। हम कैसे बड़े हुए है। नरनारायणदेव की भूमि पर अपने पैर पडे तो अपनी बड़ी भाग्य है। क्योकि यह जमीन माणकी घोडी पर बैठकर महाराजजी चयन किये है। यह यही बरामदा है जहाँ पर महाराजजी बैठते थे। यह वही देव है जिनकी प्रतिष्ठा सर्व प्रथम प्रतिष्ठा किये है। जिसे एक मिलीमीटर भी खिसकाया नही गया है। इस देव के हम श्रृणी है। इस लिये देव का होकर रहे। यह अपना सैद्धान्तिक धर्म है। इस धर्म को स्थायी रुप से पालन करना है। मन, बुद्धि कही भी जा सकता है।

नंद संतोने गीत गाया है कि पथ में भटको मत पंथ संस्कृत से उत्पन्न शब्द है जो रास्ते का सूचक होता है। गाँव में बैलगाडी चलानेप र बार-बार रास्ते में उसके चक्के की कही गिरती है। प्राचीन समय में लडकी की पहिया होती थी। बाहर की तरह लोहे की पट्टी जडी जाती थी। हमने देखा है। और उस पर बैठे भी है। यदि पट्टी निकल जाने पर पहिया धीरे धीरे टूट जाता है। यह सत्य है।

प्राचीन कहावत हजार वर्षो के अनुभव के बाद समाज में प्रचलित होती है। मै जब आया तब स्वामी शिक्षापत्री के कुछ श्लोक बोल रहे थे।

सच्छास्त्राणां समुद्धृत्य सर्वेषां सारमात्मना।
पत्रीयं लिखिता नृणामभीष्ट फलदायिनी ॥

संसार में जितने शास्त्र है। उसी का मंथनक रके जो अमृत का बूंद मिला। महाराजने हम लोगो के लिये २१२ श्लोक को शिक्षापत्री के रुप में लिखे है। जिसके पालन से अधिक फल मिलता है। इससे बड़ा फल क्या हो सकता है ? फिर भी मिलेगा। कहाँ सुरक्षित रखेगे। इसके लिये पात्रता चाहिए। पात्रता बडी बात है। पात्रता जाने पर पद, पैसा, प्रतिष्ठा सब चली जाती है। मनुष्य भटक जाता है। बाद में समाचार में आता है। शक्ति रहने से पात्रता बनी रहती है। कहावत है कि शेरनी का दूध सोने के पात्र में सुरक्षित रहता है। आप शेरनी को दूहने गये थे ? बुर्जुग लोग गये थे। अभी शेर गीर में भी नही मिलते है। यह अबं सफल नही है। लेकिन कहावत में सुवर्ण यह पात्रता का द्योतक है। पात्रता होने पर पदप्राप्ति बनी रहती है।

सत्संग के लिये भी पात्रता होनी चाहिए। पात्रता न रहने पर लोग Over Flow हो जाते है। सामान्य रुप से यह गुण अवश्य होना चाहिए। कही बार लोग कहते है अब इतना ही करना है ? पाँच माला फेरना है ? पाँच माला वास्तव में फेरते है। मुक्तानदं स्वामीजी कहते है कि माला फेरते हुए। मन फिर जाये तो वहाँ से माला समाप्त हो जाती है। उस माला को गणना में नही लेना चाहिए। माला फेरते ही पूरी दुकान धुमने लगते है। पूजा की चटाई

विछाते ही पूरे दिन का आयोजन दिमाग में आने लगता है। यदि हम गलत कह रहे है तो अपने छाती के उपर हाथ रखे। यह हमारी और् आप की बात है। आज हमारी पूनम है। आयोजन बाथरुम तथा आधा पूजा में कर डालते है। फिर भी देव के सामने करते है। अच्छा प्रबन्ध भी हो जाता है। अर्थात् कोई बात नही है ? किसी की हानि करने वाले आप नही है। क्योकि देव के सहारे पर है। और् स्वाभिमान वाले है।

जगदीशभाई ( यजमानश्री ) जो वर्षो से फूल मंडली में सेवा दे रहे है। अच्छे सीधे हरिभक्त है। भीमजीभाई ( आस्ट्रेलिया से यजमानश्री ) ने लाभ प्राप्त किये। उनका अधिक लगाव और प्रेम है। पैसे कीबात नही है। गाँव वालो को सामुहिक जिम्मेदारी दे दे। मेड अच्छी नही बाँधने से पानी ईधर उघर चला ही जाता है। योग्य स्थान नही मिले पर वह ईधर-उधर चली ही जायेगी। जिसे पास शक्ति नही है वह नही लिखवाये। शक्ति हो वही लिखवाये। गाँव में बुर्जुग छोटे-बड़े सामुहिक रुप से गाडी में भरकर आये। वृद्ध आकर अवश्य देव का दर्शन करे। बच्चे-बच्चिया सत्संग में आयेगे तो संस्कार प्राप्त होगा। भगवान की दो बाते सुनेगे। यह मेरा सुझाव है। इस लिये पूनम भी लिखवाये पूनम की महिमा है। महाराजने बताया है।

स्वाभिमान बनाये रखे। आप सभी स्वाभिमानी है। वचनामृत में एक जगह महाराज ने कहा है कि स्वाभिमान का भी अभिमान नही करना चाहिए। कितनी बड़ी बात है। अधिक अभिमान रहित का दिखावा अधिक नमन इससे सावधान रहना चाहिए। समझ जाना चाहिए कि यह हमारे सिर पर चढने वाला है। हमारे मे नही है। दूसरी जगह पर होती है। लालच से लालच बढती है। इसके दूर रहना चाहिए। आप को अनुभव अवश्य होगा। अचानक अति विवेकशील हो जाये तो वह कुछ खराब करने वाला है।

आप सुरत से आये है। गाँव-गाँव से आये है। कितने पीछे खडे है ? बहने भी प्रांगण में बैठी है। यह आप की तपस्या है। यह तपस्या आप कर रहे है। आप सभी भाग्यशाली है। अडसठ तीरथ चरणे, कोटी गया काशी.... यह सब यही पर है। मै तीरथ करने गया ही नही। भूल से कोई ले गया हो तो शायद हुआ है। शेष तो नरनारायण के चरणो में सभी तीर्थ है। तारे माथे नगारा वागे मोतना रे... नंद संतो का दर्शन गहन और् मार्मिक है। शास्त्रो के गहराई मे जाने पर अधिक भयंकरता है। महाराज के वचन का उल्लंधन अति भयंकर है। महाराज बोले है, मै तो कहता ही नही हूँ कहने पर विचार हो जायेगा। लेकिन यदि बचनो का अच्छे से पालन करने पर सुखी होते है। महाराज के अति सरल वचन है।

अभी किसी समय पूनम मंगला में भक्तो की दर्शन करने आना हो। भक्त अर्थात् संत और हरिभक्त सभी आ गये है। यह महिमा महाराज बताये है। हम नही कर रहे है। देव की महिमा है। भक्तो की भी महिमा है। कभी भी जय स्वामिनारायण।

### धर्मकुल के पधरामणी के लिये हरिभक्तो को महत्वपूर्ण सचन

सभी हरिभक्तो को अवगत किया जा रहा है कि अपने प.पू. आचार्य महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री की सत्संग के किसी स्थल पर पधरामणी की तारीख प्राप्त करने के लिये श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर प्रत्येक एकादशी, पूनम के दिन आये उसी दिन प्रसंग की तारीख कार्यक्रम के लिये साक्षात् मिलकर समय प्राप्त करे। उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी पू. महाराजश्री के बंगले पर श्री स्वामिनारायण बाग पर नही जाना है। जिससे सभी लोग अवगत हो।

सम्पर्क : कोठारी शास्त्री स्वामी नारायणमुनिदासजी

मो. : ९९०९९७६००९

श्री स्वामिनारायण म्युजियम

श्री स्वामिनारायण म्युजियम के द्वार से

## श्री स्वामिनारायण म्युजियम में पंजीकृत श्री अभिषेक की सूची

(अक्टूबर-२०२३)

| | |
|---|---|
| ता. ०७-१०-२०२३ | प.भ.श्री प्रफुलभाई भगवानजीभाई परमार – सुरत |
| ता. ०८-१०-२०२३ | प.भ.श्री विणाबेन प्रविणभाई भावसार – वर्त. प्रविणभाई डाह्यालाल भावसार |
| ता. १३-१०-२०२३ | अ.नि. मोहनभाई करशनभाई पटेल – सापावाडा – वर्त डॉ. हरिकृष्णभाई |
| ता. २४-१०-२०२३ | प.भ.श्री हिलाबेन नरेन्द्रभाई महेता – मांडवी-कच्छ |
| ता. २६-१०-२०२३ | प.भ.श्री किर्तनभाई कौशिकभाई पटेल – एवा |

(नवम्बर-२०२३)

| | |
|---|---|
| ता. ११-११-२०२३ | ( लक्ष्मी पुजन ) अ.नि. भास्करभाई जयदेवभाई ब्रह्मभट्ट |
| ता. १२-११-२०२३ | हनुमानजी की समुह पूजा |
| ता. २८-११-२०२३ | प.भ.श्री अल्काबेन जगदीशभाई पटेल – राणीप |

शुभ प्रसंग पर भेंट देने के योग्य अथवा व्यक्तिगत संग्रह के लिये – श्री नरनारायणदेव की प्रतिमा वाला ५/१०/२० ग्राम चांदी का सिक्का म्युजियम में प्राप्त होता है।

**सूचना :** श्री स्वामिनारायण म्युजियम में प्रति पूनम को प.पू. मोटा महाराजश्री प्रातः ११-३० को आरती उतारते हैं।

સંપ્રદાયમાં એક માત્ર વ્યવસ્થા શ્રી સ્વામિનારાયણ મ્યુઝિયમમાં મહાપૂજા / મહાભિષેક નોંધાવવા સંપર્ક કરો.

મ્યુઝિયમ મોબાઈલ:- ૯૮૭૯૫૪૯૫૯૭, પ.ભ. પરષોત્તમભાઈ - દાસભાઈ (બાપુનગર) : ૯૯૨૫૦૪૨૬૮૬

www.swaminarayanmuseum.org/com • email: swaminarayanmuseum@gmail.com

( अनु. पेईज नं. ६ से आगे )

लोग महान बने है। ऐसे भगवान का नाम तथा भगवान के अवतारो में श्री नरनारायणदेव, श्री लक्ष्मीनारायणदेव, श्री रेवती बलदेवजी, श्री राधाकृष्णदेव, श्री मुरली मनोहर देव, श्री मदन मोहन देव, श्री गोपीनाथदेव, श्री राधारमणदेव, किसी स्वर्ग के देवता नही बल्कि स्वयं परब्रह्म परमात्मा है।

श्रीहरि शिक्षापत्री के श्लोक नं. ''८१'' में लिखे है। सभी वैष्णव के राजा ऐसे श्री वल्लभाचार्य उनके पुत्र श्री विठ्ठलनाथजी के व्रत-उत्सव का निरीक्षण उसका अनुसरण करके उत्सव व्रत करे। श्री कृष्ण के सेवानुसार ग्रहण करना है।

पुष्टि परम्परा में जो भगवान के स्वरुप को बताया गया है। वह आदि-अनादि, परम्परानुसार श्री स्वामिनारायण भगवानने अपने हाथो से नव धामो के भगवद् स्वरुप नाम करण किये है। इसलिये सम्प्रदाय के प्रति कोई गैर समझ पैदां करो तो उसके भ्रम में नही आना है। सम्प्रदाय की मूल परम्परा शुद्ध उपासना सनातन वैदिक है। साक्षात् पूर्णपुरुषोत्तम स्वरुप की प्रतिष्ठा हुई है। जो श्रीहरि के स्वरुप है।

### अहमदाबाद मंदिर श्री नरनारायणदेव के राजभोग की आरती का समय

श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर श्री नरनारायणदेव का राजभोग आरती अब से स्थायी रुप से प्रातः १०-३० बजे होगी। दर्शनार्थी कृपया ध्यान दे।

# भक्तिसुधा

**(प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के आशीर्वचन में से) एकादशी सत्संग सभा में (कालुपुर मंदिर हवेली) "ध्यान का नियम सबके उत्तम है।"**

( संकलन : कोटक वर्षा नटवरलाल - घोडासर )

महाराजने चातुर्मास में विशेष नियम लेने की आज्ञा किये है। तो इस विशेष निमय में ध्यान का नियम सबके उत्तम होता है। क्योकि ध्यान के कारण शरीर की वासना दूर होती है। स्थूल काया में वासना रहने से कुछ खराब नही होता है। यदि शरीर तक वासना आ जाती है तो कष्ट देती है। ध्यान के बल से शरीर की वासना समाप्त होती है। ध्यान चार प्रकार का होता है। जिसे सबको ज्ञान है। 'सांग', 'उपांग', 'सलिल' और 'सपार्षद' वह ध्यान जो महाराज के मूर्ति को नख से सिर तक चिंतन करे। उसे 'सांग' ध्यान कहते है। महाराज की मूर्ति वस्त्र अलंकार से श्रृंगार किया गया हो। उस रुप को ध्यान करना ''उपांग'' ध्यान कहा जाता है। महाराज के द्वारा दिव्य और मानवी चरित्र के गुणगान को करना उसे 'सलिल' ध्यान कहा जाता है। भगवान पार्षदो और संत-हरिभक्तो के साथ सभा में विराजित हो उस ध्यान को 'पार्षद' ध्यान कहा जाता है। ध्यान करते समय मन की चंचलता का स्थिर रहना अति आवश्यकत होता है। गिलहरी की तरह नही करना चाहिए। गिलहरी क्या करती है ? खाते समय भोजन पर कम ध्यान देती है। चारो तरफ नजर फेरती है। महाराजने सारंगपुर के दूसरे वचनामृत में बोले है कि जब परमेश्वर का दर्शन करे। उसम समय मन एकाग्र तथा नजर स्थिर रखना चाहिए। परमेश्वर का दर्शन करते समय कोई आदमी आये। आप अन्य जगह पर नजर फेरे इस तरह दर्शन करते है। अर्थात् भगवान के साथ दूसरे का दर्शन करते है। वह धीरे-धीरे फल कम प्राप्त करता है। इस लिये परमेश्वर का दर्शन करते समय नजर एकाग्र रखना चाहिए। दृष्टि के नियम को ध्यान में रखना चाहिए। भजन में बैठने पर मन स्थिर होना चाहिए। दर्शन एक परमेश्वर का करना चाहिए। महाराजने ध्यान के बारे में प्रथम प्रकरण के पाँचवे वचनामृत में कहे है। ''राधिका सहित श्रीकृष्ण का दर्शन करना। नही तो ध्यान नही छोडना चाहिए। इस तरह जो करता है। उसके उपर भगवान की कृपा बनी रहती है। चातुर्मास में विशेष नियम का पालन करना चाहिए। उचे स्वर में भगवान का कीर्तन करना चाहिए। तब अंदर से कम्पन पैदा होती है। जो दिव्य होती है। जो हमे दिखाई नही देता है। केवल अनुभव कर सकते है। यह कम्पन मन के उपर पडी धुल को गिरा देता है। जैसे सडक पर २४ घंटे यात्रायात चालु होती है। इस कारण से रास्ते में धूल जम जाती है। जो शीघ्र से दिखाई नही देती है। लगातार आना-जाना लगा रहता है। इसी प्रकार मानव के मन में विचार आते-जाते रहते है। संसार सम्बंधी कामनाओ की ईच्छा पूर्ति के लिये असंख्य विचार आते-जाते रहते है। इन विचारो पर जो परदा पड जाता है। वह उच्च स्वर से भजन करने से हट जाता है। यह संसार जलती आग है। उसे शांत करने के लिये अवतार होते है। कही पर अधिक आग लगी हो तो उसे स्वयं बुझा नही सकते है। किसी की सहायता लेना ही पडता है। हम सभी फायर ब्रिगेड को बुलाते है।'' इसी प्रकार हम सभी के अंदर वासना रुपी आग लगी है। इस आग को शांत करने के

लिये भगवान की मदद होनी चाहिए । संसार से लगी कामनाओ की ईच्छापूर्ति के लिये असंख्य विचार आते जाते रहते है । एक कामनापूर्ण होनेप र दूसरी कामना उत्पन्न हो जाती है । इसको शांत करने के लिये भगवान अवतार लेते है । तथा धर्म की स्थापनाक रते है । शास्त्रो की रचना करते है । शास्त्रो द्वारा आग शमित करने का रास्ता बनाते है । धर्म कोई बनाई वस्तु नही है । श्रद्धा में कभी कमी-वृद्धि को जा सकती है । धर्म में कम - अधिक नही कर सकते है । लोग ऐसे वैसे धर्म का पालन करते है । यह गलत बात है । धर्म का पालन करना ही चाहिए । जो व्यक्ति धार्मिक जीवन व्यतीत करता है । वही सुखी रहता है । बड़े से बड़ा धर्म क्या है ? यह कभी नही भूलना चाहिए कि जीव परमात्मा का अंश है । यह स्वतंत्र नही है । स्वच्छेद नही रहना चाहिए । हमेशा भगवान द्वारा बनाये गये नियम में रहना चाहिए । जीव को परमात्मा से अलग नही कर सकते है । जीव की स्वतंत्र रहने पर उसे सजा प्राप्त होती है । हम जिस देश में रहते है । यदि उसके नियम का पालन नही करे तो बाद में क्या होगा । गैर कानूनी कृत्य के कारण सजा मिलेगी । इस प्रकार जो भगवान के नियम का पालन नही करता है । उसे पहले आनंद मिलता है । कुछ वर्ष के बाद गुनहगार के रुप में माया के बंधन में आ जाता है । उसे सजा भूगतना ही पडता है । भगवान द्वारा बनाये गये नियम में छूट छाट नही मिलता है । क्योकि भगवान सृष्टि के मालिक है । जो व्यक्ति यह समझ जाता है कि भगवान के नियम का पालन करना हमारा कर्तव्य है । वह सुखी हो जाता है । सही अर्थ में वह ज्ञानी है । ज्ञानी बनने का प्रयत्न करना है । सृष्टि और भगवान द्वारा बनाये गये नियम में रहने का प्रयत्न करना चाहिए। दो वस्तु का अवश्य पालन करना चाहिए। स्थायी हो मात्र चातुर्मास तक ही नही होना चाहिए । प्रथम यह हमसे कोई दुखी होकर आँखे मे आंसु नही लाये । दूसरा अपने अवगुण को स्वीकार करना चाहिए । उदाहरणरुप से आप को क्रोध आ रहा है । अगला बोले आप अधिक क्रोधी है । उसके परिणाम स्वरुप आप ''कहे कि हम 'क्रोधी' नही है । ऐसा नही करना चाहिए । लोग भगवान से भी छिपाने का कार्य करते है । यह भूल जाते है कि एक भगवान और एक अपनी अर्न्तआत्मा ये दो नही है । इससे छिपा नही सकते है । अवगुण बताना सबसे सरल है । किसी रोग होने पर हम डॉक्टर के पास जाते है । तो उपचार हो जाता है । जितनी शक्ति हम दूसरे के अहित करने में लगा देते है । उतना यदि भगवत प्राप्ति में लगाये तो बेडा पार हो जायेगा । हम सदैव कहते है नियम वह धारणक रे जिसका पालन कर सके । सामान्य नियम धारण करना चाहिए। प्रतिज्ञापूर्ण करने का प्रयास करना चाहिए। सभी नियमो में ''ध्यान'' सबसे बड़ा है । तो भगवान आप को नियम पालन करने के लिये बल दे । ऐसे भगवान के चरणो में वंदना है।

### प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के पधरामणी के विषय में सूचन

प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के पधरामणी की तारीख प्राप्त करने के लिये बहने कालुपुर मंदिर के हवेली में सांख्ययोगी बहनो से सम्पर्क करे । उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी श्री स्वामिनारायण बाग मेमनगर नही जाये । जिस पर सभी बहने ध्यान दे ।

### जयपुर मंदिर में नये महंतश्री की नियुक्ति

श्री स्वामिनारायण मंदिर जयपुर ( चाँदपोल बाजार ) के नये महंत स्वामी स.गु. शास्त्री स्वामी श्री देवस्वरुपदासजी गुरु स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी ( जेतलपुरधाम ) की नियुक्ति की गयी है।

આપણા મેમનગર(ભક્તિનગર) મંદિરમાં મૂર્તિ પ્રતિષ્ઠા કરતા પ.પૂ. આચાર્ય મહારાજશ્રી તથા સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ.લાલજી મહારાજશ્રી

નવા વાડજ બહેનોનાં મંદિરમાં મૂર્તિ પ્રતિષ્ઠા કરતા પ.પૂ. આચાર્ય મહારાજશ્રી તથા સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ.લાલજી મહારાજશ્રી

ધૂળકોટ (મૂળીપ્રદેશ) મંદિરના દસમાં પાટોત્સવ પ્રસંગે ઠાકોરજીની અન્નકૂટ આરતી ઉતારતા અને સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ. આચાર્ય મહારાજશ્રી

શ્રી સ્વામિનારાયણ મ્યુઝિયમમાં ધનતેરસના શ્રી લક્ષ્મીજીનું પૂજન કરતા પ.પૂ.મોટા મહારાજશ્રી

કૂડાસણ (ગાંધીનગર) મંદિરનાં ભૂમિપૂજન બાદ સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ.આચાર્ય મહારાજશ્રી

અમદાવાદ દેશના મૂર્ધન્ય વક્તા લેખક સ.ગુ.શા.સ્વામી હરિકેશવદાસજીની ગુણાનુવાદ સભામાં પ.પૂ.આચાર્ય મહારાજશ્રી તથા પ.પૂ.લાલજી મહારાજશ્રી

જેતલપુર મંદિર શ્રી રેવતીબળદેવજી હરિકૃષ્ણ મહારાજના દિવાળીનાં દર્શન કરતા પ.પૂ.મોટા મહારાજશ્રી

જેતલપુર આપણી સંસ્કૃત પાઠશાળમાં સમૂહ શ્લોક પઠન

લુણાવાડા મંદિરથી કાલુપુર પદયાત્રામાં આવેલ હરિભક્તોએ પ.પૂ.મોટા મહારાજશ્રી સાથે સભામંડપમાં તસવીર લીધી હતી.

અમદાવાદ મંદિરમાં નિયમિત ચાલતી પૂનમની સભામાં દર્શન આપતા પ.પૂ.આચાર્ય મહારાજશ્રી તથા પ.પૂ.લાલજી મહારાજશ્રી

કલોલ (પંચવટી મંદિરમાં) યુવક મંડળ શિબિરમાં યુવાનો ને સંબોધન કરતા
પ.પૂ. લાલજી મહારાજશ્રી

અસારવા શ્રી સ્વામિનારાયણ બાગ મારૂતિ યજ્ઞ પ્રસંગે વીર હનુમાનજીની
આરતી ઉતારતા પ.પૂ. લાલજી મહારાજશ્રી

માણસામાં કથા પ્રસંગે સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ.આચાર્ય મહારાજશ્રી

સુરેન્દ્રનગર મંદિરના ૧૮ માં પાટોત્સવ પ્રસંગે સભામાં આશીર્વાદ પાઠવતા પ.પૂ. આચાર્ય મહારાજશ્રી

છપિયા શ્રી ઘનશ્યામ મહારાજનો અભિષેક કરતા પ.પૂ.મોટા મહારાજશ્રી

નારણઘાટ મંદિરમાં કાર્તિકી સમૈયાની કથા પ્રસંગે સભામાં પ.પૂ. આચાર્ય મહારાજશ્રીની આરતી ઉતારતા યજમાન પરિવાર

સાસ્કાટન (કેનેડા) અને નારણપુરા (અમદાવાદ) મંદિરમાં દિવાળી અન્નકૂટ દર્શન

દેવપ્રબોધિની એકાદશીએ શ્રી નરનારાયણ દેવ સમક્ષ પરંપરાગત સંપૂર્ણ રાત્રી ઔચ્છવ કરતા હરિભક્તો

બાલાસિનોર મંદિરમાં નૂતન સિંહાસનમાં પુનઃ પ્રતિષ્ઠા કરતા પ.પૂ.મહારાજશ્રી

# धनुर्मास में विशेष सत्संग भक्ति

सर्वोपरी श्री स्वामिनारायण भगवान स्वयं स्वरुप को ध्यान लेकर ऐसे परमकृपालु श्री नरनारायणदेव के परम पवित्र सानिध्य तथा श्रीहरि के कअपर स्वरुप प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री तथा प.पू. बड़े महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री एवम् पूरे धर्मकुल की शुभ आज्ञा से और परमवंदनीय संतो की उपस्थिति में ता. १६-१२-२०२३ से ता. १४-०१-२०२४ अर्थात् पूरे मास प्रातः काल श्री स्वामिनारायण महामंत्र धुन की अलौकिक लाभ लेने के अवसर पर ता. १४-०१-२०२४ के दिन मकरसंक्राति के पुण्य पर्व होने पर आप सभी के जीवन में वर्ष में एक बार पुण्य पर्व पर दान करके जीवन धन्य बनाये ।

**मकरसंक्रांति (उत्तरायण) पुण्य पर्व के अवसर पर अलौकिक दान पुण्य**
**श्री नरनारायणदेव देश के समस्त हरिमंदिर के कोठारीश्री और श्री नरनारायणदेव युवक मंडल से अनुरोधः**

श्री नरनारायणदेव देश के सभी शहर और ग्राम के कोठारीश्री और श्री नरनारायणदेव युवक मंडल के प्रतिनिधियो से विशेष आग्रह है कि अपने गाँव में उत्तरायणपर्व की झोली घुमाकर उसमें जो कुछ अनाज, नकद आवश्यक पदार्थ प्राप्त हो वे सभी वस्तुए अहमदाबाद कालुपुर श्री स्वामिनारायण मंदिर में ''आँगन'' में जमाकर रसीद प्राप्त कर ले । यह पूरा दान निराधार लोगो तक पहुँचाया जायेगा । यह संकल्प अपने प.पू. आचार्य महाराजश्री, प.पू. लालजी महाराजश्री और प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के निरीक्षण में अपने सत्संगी बहनो द्वारा किया जाता है।

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के सीधे मार्गदर्शन में ''आँगन'' का सुंदर संचालन हो रहा है। आप आँगन की मुलाकात करे तो यहाँ पर माता-पिता से हीन बच्चे यहाँ पर रहते है। ऐसा आप को प्रतीत नही होगा। सम्पूर्ण धर्मकुल उनके सर्मयक है। उनको रहने का स्थान, भोजन, ड्रेस, स्कुल और विशेषकर जप पू. गादीवालाश्री जब ''आँगन'' पर आथी है । तब सभी बच्चे प्रेमपूर्वक मिलने आ जाते है। यह कोई अनाथ आश्रम नही है। यहाँ एक परिवार रहता है। एक-दूसरे के प्रति लोग प्रेम रखते है । संचालिका बहन अपने बच्चो की तरह देख भाल करती है। ऐसा सुंदर ''आँगन'' आप के द्वारा की गयी सेवा मानवता को उत्तम बनायेगी अपना सम्प्रदाय सर्वप्रथम मानवता ध्रम सिखाता है।

इस ''आँगन'' में दान देने वाले को **80-G** के तरह आयकर में मुक्ति प्राप्त होगी ।

**महंत स्वामी**
**शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदास का**
**श्रीहरि स्मृति सहित जय श्री स्वामिनारायण**

# उत्तरायण पुण्य (झोली पर्व)

नाम : ..........................................................................................

पता : ..........................................................................................

फोन : ............................. मो. : .............................................

## उत्तरायण पुण्य पर्व

दिनांक **14-1-2024** उत्तरायण–मकर संक्रांति को श्री नरनारायणदेव के दर्शन के लिये पधारे तब इस कार्ड में अपनी इच्छानुसार रकम भर कर कोठार आपिस में से रसीद प्राप्त कर ले । दूर रहने वाले हरिभक्त चेक या ड्राफ्ट और आनलाईन धन भेज सकते है ।

| विवरण | मूल्य रु. | वजन | ५ किलो का दाम रु. | आप की सेवा रु. |
|---|---|---|---|---|
| चावल | ३८०० | १०० किलो | १९० | |
| गेहूँ | २५०० | १०० किलो | १०० | |
| मूँग | १०००० | १०० किलो | ५०० | |
| तिल | २६०० | २० किलो | ६५० | |
| चना की दाल | ५५०० | २० किलो | ४०० | |
| अरहर की दाल | १५००० | १०० किलो | ७०० | |
| मोगर दाल | १०८०० | १०० किलो | ६०० | |
| शुद्ध घी | ६५०० | १ डिब्बी | १६०० | |
| तेल | १५०० | १ डिब्बी | ४०० | |
| गुड | ५००० | १०० किलो | २५० | |
| चीनी ( शर्करा ) | ४१०० | १०० किलो | २१० | |
| कुल रु. | ५७३०० | | ५६०० | |

**दान, वस्तु रुप में, नगद रुप में अथवा चेक या ड्राफ्ट**

**“श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर अहमदाबाद” के नाम का दे ।**

**स्थान : श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर, अमदावाद-१ • फोन : ८२३८००१६६६**

# सत्संग समाचार

**श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में मनाये गये उत्सव**

**प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के ५१ वे प्रागट्योत्सव :** परमकृपालु श्री नरनारायणदेव के परम सानिध्य में आश्विन शुक्ल पक्ष-१० ( विजया दशमी ) ता. २४-१०-२०२३ को श्री नरनारायणदेव पीठाधिपति प.पू.ध.धु. १००८ आचार्यश्री कोशलेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री के ५१ वैँ प्रगटोत्सव पर प.पू. बड़े महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्रीकी शुभ उपस्थिति में उल्लासपूर्वक मनाया गया।

सर्व प्रथम मंदिर के चौक में संत-हरिभक्तो ने प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री का भव्य स्वागत समैया, संगीतमय वातावरण में किये । इसके बाद नरनारायणदेव की आरती करके सभा में दर्शन देकर विराजमान हुए। मंदिर के गोर ( पंडित ) द्वारा स्वस्ति वाचन पूजन विधिवत रुप से पूर्ण किया गया । इसके बाद अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत स्वामी, जेतलपुर मंदिर के पू. पी.पी. स्वामी, पू. शा. स्वा. निर्गुणदासजी आदि संतो द्वारा सामुहिक आरती उतारी गई। प्रगटोत्सव के यजमान अ.नि. पिताश्री शिवजीभाई मेघजी हिराणी, गं.स्व. मातुश्री अमरबाई शिवजी हिराणी नारणपर-कच्छ, मनजी शिवजी हिराणी, वनिताबेन मनजी हिराणी, रेश्मा हिराणी, पुत्र भाविन-पुत्रवधु मुक्ति भाविन हिराणी पौत्र इशीन, ह्युस्टन-टेक्सास परिवारने आरती उतारी । धर्मकुल का आशीर्वाद प्राप्त किये । अपने नव युवक विद्वान संत प.पू. महाराजश्री को हृदय पूर्वक शुभेच्छा भेजे थे । हजारो हरिभक्त संत श्रीहरि के ६ट्ठे, ७ ववे, ८ वें वंशजने आशीर्वाद दिये । सभा का अच्छा संचालन विद्वान कथाकार पू. शा. स्वा. रामकृष्णदासजीने किया था । पू. महंत स्वामी के सुंदर मार्गदर्शन में पूरे प्रसंग को भव्य रुप में पूर्ण किया गया ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**आश्विन सुद-१५ की सत्संग सभा :** पिछले ६ महिने से श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में धर्मकुल के संरक्षण में प्रत्येक पूनम को नियमति प्रातः ८-३० से १०-०० बजे तक सत्संग सभा का सुंदर प्रबन्ध होता है । आश्विन सुद-१५ की सत्संग सभा प.पू. लालजी महाराजश्री के संरक्षण में पू. स.गु. महंत शास्त्री स्वामी श्री पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन में प.भ. मनजी शामजी भूडिया, प.भ. कांताबेन मनजी भूडिया, प.भ. राजेश मनजी भूडिया, हीना राजेश भूडिया, श्लोक राजेश भूडिया ( विल्सडन यु.के. ) के यजमान पद से स.गु. शास्त्री स्वामी रामकृष्णदासजी ( आदरज ) ने भगवान श्रीहरि के लीला का कथामृत पान कराये । आज के दर्शनार्थी तथा भक्तो ने भोजन की सुदंर व्यवस्था की गयी थी ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**अहमदाबाद मंदिर में शरदोत्सव :** श्रीहरि के समय से उत्सवो की परम्परा आज तक चालु है । आश्विन शुक्ल पक्ष पूनम को रात्रि के समय चन्द्रग्रहण होने के कारण ता. २९-१०-२०३ के दिन रात्रि में ८-३० बजे श्री स्वामिनारायण मंदिर, कालुपुर में श्री नरनारयणधेव के सानिध्य में भव्य शरदोत्सव मनाया गया था । श्री नरनारायणदेव ओच्छव मंडल द्वारा परम्परागत ओच्छव इसके बाद प.पू. लालजी महाराजश्री के करकमलो द्वारा ठाकुरजी की आरती किये । अपने गायक कलाकार प.भ. पूरव पटेल और उनके मित्रो द्वारा कीर्तन तथा रासोत्सव भाई-बहनो ने अलग अलग मनाया । पू. महंत स्वामी स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा-मार्गदर्शन में अच्छा प्रबन्ध किये थे । शरदोत्सव के यजमान प.भ.अ.नि. कांताबेन चुनीलाल सोनी परिवार ( पलियडवाले ) राणीप वर्त. जयेन्द्र चुनीलाल सोनी, पार्थ जयेन्द्र सोनी, मीत जयेन्द्र सोनी परिवारने सुंदर लाभ उठाकर जीवन कृतार्थ किये ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर दिवाली का उत्सव**

**श्री हनुमानजी महाराज की पूजा-अर्चना :** श्री स्वामिनारायण मंदिर कालुपुर में विराजमान श्री कष्टभंजनदेव का आश्विन वद-१४ ता. ११-११-२०२३ के दिन प.पू. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा पूजा-आरती अच्छे रुप से पूर्ण हुआ । दादा के पूजारी पार्षद बाबु भगतने सुंदर प्रबन्ध किये थे ।

**समूह शारदा पूजन-चोपडा पूजन :** परमकृपालु श्री नरनारायणदेव के शुभ संरक्षण में और प्रसादी के सभा मंडप में परम्परागत रुप से ता. १२-११-२०२३ के दिन समूह शारदा पूजन-चोपडा पूजन शायं ६-३० से ८-०० बजे तक मंदिर के गोर द्वारा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा पूर्ण किया गया ।

अहमदाबाद शहर और गाँव से आये व्यापारीयोने अपने धंधा-उद्योग के लिये ८०० जितने चोपडे की पूजा कराके अलौकिक लाभ लिये । पू. महंत स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजीने अच्छा प्रबन्ध किये थे ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**अश्विन कृष्ण पक्ष-३० दिवाली को श्री नरनारायणदेवो का भव्य अन्नकूटोत्सव :** श्रीहरि के समय से अन्नकूट परम्परा चली आ रही है । श्रीहरिने सर्व प्रथम अन्नकूट की परम्परा अपने आदरज गाँव से प्रारम्भ किये थे । अश्विन कृष्ण पक्ष-३० दिवाली को प्रात: १०-३० बजे प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री के करकमलो से अन्नकूट की आरती उतारी गई । शायं ४-३० तक हजारो हरिभक्तोने अन्नकूट के दर्शन किये थे ।

**अहमदाबाद मंदिर द्वारा हरि मंदिरो का अन्नकूट :** प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा तथा पू. महंत स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा से श्री नरनारायणदेव देश के हरि मंदिर तथा उनके आर्डर के अनुसार यहाँ से अन्नकूट प्रसाद बनाकर दिया गया था । इस वर्ष कई हरिमंदिरने इस सेवा का लाभ लिये थे । आगामी वर्षमें विशेष हरिमंदिर इस सेवा से जुडे ताकि उन्हे शुद्ध पवित्र अन्नकूट प्रसाद प्राप्त हो ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**अहमदाबाद मंदिर में दीपोत्सव को मनाना :** श्री स्वामिनारायण मंदिर अहमदाबाद में परमकृपालु श्री नरनारायणदेव के शुभ आश्रय में श्रीहरि जहाँ पर संत-भक्तो के साथ रंगोत्सव खेलते थे । उस महातीर्थ प्रसादी की छत्री के सानिध्य में रात्रि को सुंदर दीपक की रोशनी करके सजाया गया था । हजारो हरिभक्तो और संतो की उपस्थिति में अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत स्वामी स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी चौक के मध्य खडे होकर श्री नरनारायणदेव की आरती उतारे थे । आज सबके हृदय में दिवाली के आनंद का प्रभाव समा नही रहा था । पू. महंत स्वामी के सुंदर मार्गदर्शन में उनके मंडल द्वारा संतो ने परिश्रम करके प्रसंग की शोभा बढाये थे ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**रंगमहल श्री घनश्याम महाराज का पाटोत्सव :** श्री स्वामिनारायण मंदिर अहमदाबाद में रंगमहल में विराजमान सर्वोपरि श्री घनश्याम महाराज का वार्षिक पाटोत्सव कार्तिक शुक्ल पक्ष-१२ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा षोडशोपचार अभिषेक अच्छे रुप से किया गया था । पूजारी स्वामी देव स्वामीने श्री घनश्याम महाराज को सुंदर वाघा-अलंकार पहनाये थे । सभी भक्तोने अलौकिक दर्शन किये । आज प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के आज्ञा से प्रात: ९-३० से १२-०० बजे तक मात्र बहनो ने दर्शन का लाभ उठाया था ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**प्रबोधिनी एकादशी को सूखे मेवे का अन्नकूट दर्शन-हाटडी दर्शन**

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा और धर्मकुल के आशीर्वाद से तथा महंत स्वामी स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदाजी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रबोधिनी एकादशी को श्री नरनारायणदेव के जन्म दिन के अवसर पर एक हरिभक्त ( आस्ट्रेलिया ) ने अलौकिक लाभ लिया था । हाटडी दर्शन के यजमान प.भ. प्राणवी अरविंद लाधाणी भुज ( कच्छ ) एवम् हजारो हरिभक्त ठाकुरजी के सूखे मेवे एवम् हाटडी का दर्शन करके आनंदित हुए । आज श्री नरनारायणदेव के समक्ष श्री नरनारायणदेव ओच्छव मंडल पूरी रात ओच्छव किये थे । और हवेली में पूरी रात प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के सानिध्य में बहनो ने कीर्तन की धुन गाये थे । १० से ११ के मध्य रात्रि में आरती का दर्शन किये । बढाये थे ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**श्री नरनारायणदेव को अनाज का अन्नकूट, आवश्यक लोगो को वितरण**

परमात्मा जगत के तात किसान श्रम के माध्यम से समस्त ब्रह्मांड के पालन हेतु धरती द्वारा अनेक फसल उत्पादन करके समझा को देता है । अनेक प्रका रके अनाज प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री के आज्ञा एवम् प्रेरणा से हरिभक्त नये वर्ष पर अर्पण किये थे । सुंदर अन्नकूट नरनारायण आदि देवो को

चढाया गया था । वह प्रासदी का अनाज प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के संकल्प से मंगल मंदिर मानव सेवा परिवार ( बगोदरा ) को पूरा अनाज भेजा गया था । अपने मंदिर द्वारा इस तरह से सहायता की जाती है । अपने इस सेवा से संस्था के प्रबन्धक अति खुश हुए थे । ऐसा संकल्प प्रायः श्रीहरि किया करते थे । हर गुण धर्म कुल में सहज रुप से आया है । यह इस कुल का गुण है । पू. महंत स्वामीने इस भगीरथ कार्य में भाग किये थे । इस कार्य के लिये देश-विदेश से सेवा भी मिली थी । अपने लेस्टर ( आई.एस.एस.ओ. यु.के. ) के हरिभक्त प.भ. सतीषभाई जयंतीलाल शाह परिवार ( अहमदाबाद ) आदि ने सेवा करके नरनारायणदेव की कृपा प्राप्त किये ।

( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**कार्तिक सुद-१५ सत्संग सभा**

प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री के आज्ञा से श्री स्वामिनारायण मंदिर अहमदाबाद में श्री नरनारायणदेव के सानिध्य में और प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री की निश्रा में कार्तिक सुद-१५ देव दिवाली को प्रसादी के सभा मंडप में स.गु. शा. स्वामी विश्वविहारीदासजी ( कोटेश्वर )ने कथामृत का पान कराये थे । जिसके यजमान प.भ. भरतकुमार गांडाभाई पटेल परिवार ( सोलावाले ), वर्त. अ.सौ. ललिताबेन, प्रज्ञेशभाई, अ.सौ. जील्पाबेन, विशालभाई, अ.सौ. नीपाबेन, नैतिकभाई, अ.सौ. बिन्दाबेन, अवध, नीलकंठ, मूर्ति, केशीनी ( भक्ति ), भावि, पीहू, रैया परिवार ने लाभ उठाया था । अंत में प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्रीने सभा में आशीर्वाद दिये । पू. स.गु. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी ने सुंदर प्रबन्ध करके सभी को भजन करके सुंदर भोजन का प्रसाद खिलाकर तृप्त किये थे। ( कोठारी शास्त्री स्वामी नारायणमुनिदासजी )

**अ.नि.स.गु. शास्त्री स्वामी श्रीहरिकेशवादसजी के गुणगान की सभा**

अहमदाबाद श्री नरनारायणदेव के चरणो में रहकर जीवन के ६६ वर्ष सम्प्रदाय में सेवा देने वाले तथा विगत ४६ वर्ष से स्वामिनारायण मंदिर सेक्टर नं. २३ गांधीनगर में रहकर प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा-आशीर्वाद से साहित्य में विशेष सहयोग दिये । स्वामिनारायण सम्प्रदाय के मूर्धन्य वक्ता लेखक पू. स.गु. शास्त्री स्वामी श्रीहरिकेशवदासजी ता. ७-१०-२०२३ शनिवार के दिन महाराज को अखंड स्मरणक रते हुए अक्षरनिवासी हुए । उनका गुणगान सभा २०-१०-२०२३ शुक्रवार को श्री नरनारायणदेव के चरणो में प्रसादी के प्रांगण में समस्त धर्मकुल के सानिध्य में पूर्ण हुआ । जिसमें प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री, प.पू. बड़े महाराजश्री और प.पू. लालजी महाराजश्री उनके यदगार क्षणो को याद करके साहित्य तथा सत्संग की घटनाओ को याद करके श्रद्धांजलि अर्पित किये थे।

इस अवसर पर अहमदाबाद, मूली, भुज, वडताल, गढपुर, जुनागढ, धोलेरा से आये संतोने भी पू. शास्त्री स्वामी के साहित्य तथा साथ को याद करके भावांजलि अर्पण किये थे । इस अवसर पर ३०० जितने संत-पार्षद तथा ३००० जितने हरिभक्त उपस्थित हुए थे । पू. शास्त्री स्वामी के शिष्य शास्त्री हरिप्रियदासजी पूरे धर्मकुल दोनो देशो के संत हरिभक्त आभार व्यक्त किये थे । पूरे प्रसंग का संचालन पू. स.गु. शा. स्वा. रामकृष्णदासजी ( कोटेश्वर गुरुकुल )ने किया था ।( नारायण वी. जानी - गांधीनगर )

**श्री स्वामिनारायण मंदिर भक्तिनगर (मेमनगर) मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव-रजत जयंती महोत्सव**

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के शुभ आज्ञा से प.पू. बड़े महाराजश्री तथा भावि आचार्य १०८ श्री व्रजेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री के आशीर्वाद तथा अहमदाबाद मंदिर के पूज्यमहंत स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा मार्गदर्शन से श्री स्वामिनारायण मंदिर भक्तिनगर मेमनगर के मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव तथा रजत जयंती महोत्सव पर ता. २०-११-२३ से ता. २५-११-२३ तक श्रीमद् सत्संगिजीवन पंचान्ह पारायण सम्प्रदाय के युवक कथाकार संतश्री पू.स.गु. शा. स्वामी रामकृष्णदासजी ( कोटेश्वर गुरुकुल ) ने किया था । हजारो हरिभक्तोने कथा का लाभ उठाया था । संहितापाठ का आयोजन भी किया गया था ।

प्रसंग के मध्य प.पू. लालजी महाराजश्री और प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री प.पू.अ.सौ. बड़े गादीवालाश्री आकार आशीर्वाद दिये थे । ता. २५-११-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा नये मंदिर में मूर्ति प्रतिष्ठा वेदोक्त विधि से पूर्ण की गई । इस अवसर पर प.पू. आचार्य महाराजश्री के अति आग्रह से ता. २४-११-२३ के दिन प.पू. बड़े महाराजश्री भी आये थे। और गुजरात के मुख्यमंत्रीश्री भूपेन्द्रभाई पटेल आमंत्रित थे । पूरे सभा का

संचालन पू.शा. स्वामी नारायणमुनिदासजीने किया था । तीर्थ तथा धाम से संत लोग आये थे ।

पूरा प्रबन्ध समस्त सत्संग समाचार मेमनगर तथा श्री नरनारायणदेव युवक मंडल मेमनगर भक्तिनगर द्वारा पूर्ण किया गया था । सम्पूर्ण मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव के मुख्य यजमान अ.नि. गंगारामभाई महादेवभाई, अ.नि. वालीबेन गंगाराम पटेल, अ.नि. नटवरभाई गंगारामभाईप टेल, वर्त प.भ. इश्वरभाई ( पंढरपुरवाले ) तथा श्री नरनारायणदेव मूर्ति के यजमान अ.नि. कानजीभाई भीमजीभाई राघवाणी, अ.नि. वेलभाई कानजीभाई राघवाणी परिवार, बलदिया-कच्छ, श्री राधाकृष्णदेव की मूर्ति के यजमान प.भ. नरसिंहभाई मगनभाई पटेल, कांताबेन नरसीभाई परिवार था । मुख्यमंत्रीने प्रसंगोचित भाषण दिये थे । प.पू. बड़े महाराजश्रीने सभी को आशीर्वाद दिये थे । पू. महाराजश्री सभा में बैठकर सभी यजमानो को आशीर्वाद दिये थे । ( कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी )

### श्री नरनारायणदेव को नारायणघाट के आँगन में कार्तिक की समैया

भरतखंड के राजाधिराज श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा-आशीर्वाद से अहमदाबाद कालुपुर मंदिर के महंत पू. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा से पू. स.गु. महंत शास्त्री स्वामी दिव्यप्रकाशदासजी ( नारायणघाट ) के अच्छे प्रबन्ध से महातीर्थ भूमि नारायणघाट मंदिर में कार्तिकी समैया के उपक्रम पर श्रीमद् भागवत पंचान्ह पारायण, भव्य तुलसी विवाह, श्री भक्तिमाता २८२ प्रगटोत्सव के अवसर पर राजोपचार पूजा और भव्य अन्नकूट ता. २१-११-२३ से २७-११-२३ के मध्य मनाया गया ।

स.गु. शा. स्वामी यज्ञप्रकाशदासजी ( कलोल महंतश्री ) श्रीमद् भागवत् पंचान्ह रात्रीय कथा का सुंदर पान कराये थे। मुख्य यजमान अ.नि. अंबालाल कचरदास पटेल, अ.नि. गं.स्व. जीवीबेन अंबालाल पटेल की स्मृति में प.भ. महेन्द्रभाई परिवार था । इस अवसर पर तीर्थो से संत और सांख्ययोगी बहने आथी थी ।

### भव्य तुलसी विवाह

ता. २६-११-२३ के दिन पूर्ण किया गया था । जिस में वरपक्ष के यजमान रणछोडभाई बबलदास पटेल, अ.सौ. डाहीबेन रणछोडभाई पटेल, कन्या पक्ष के यजमान प.भ. महेन्द्रकुमार अंबालाल पटेल, अ.सौ. आशाबेन महेन्द्रकुमार रहे थे । वर पक्ष का मामेरा और कन्या पक्ष का मामेरा में यजमानने लाभ उठाया था । इस अवसर पर ता. २५-११-२३ के दिन प.पू. लालजी महाराजश्री पधारकर सभी को दर्शन आशीर्वाद दिये थे । धामो से संत आये थे । हजारो हरिभक्तोने तुलसी विवाह का लाभ उठाये थे ।

### श्री स्वामिनारायण मंदिर मांडल चिन्ह चिंतामणी कथा

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा समस्त धर्मकुल के आशीर्वाद एवम् जेतलपुरधाम के पू. महंत स.गु. शा. स्वामी आत्मप्रकाशदासजी तथा पू. शा. पी.पी. स्वामी के मार्ग दर्शन प्रेरणा से श्री स्वामिनारायण मंदिर मांडल में श्राद्ध पक्ष में स.गु. शा. स्वामी भक्तिनंदनदासजी के वक्ता पद से श्रीमद् चिन्ह चिंतामणी की रात्रीय पंचान्ह रायाण पूर्ण हुई । मांडल गाँव के सभी हरिभक्त कथामृत का लाभ लिये । ( कोठारीश्री मांडल )

### शेर (ता. विरमगाम) में सत्संग सभा

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा एवम् पूरे धर्मकुल के आशीर्वाद से तथा जेतलपुरधाम के पू. महंत स.गु. शा. स्वामी आत्मप्रकाशदासजी तथा पू. पी.पी. स्वामी के मार्गदर्शन प्रेरणा से यहाँ के शेर गांव में स.गु. शा. स्वा. भक्तिनंदनदासजी और जेतलपुर धाम के संत मंडल गाँव के सभी हरिभक्त सत्संग सभा के माध्यम से भगवान श्रीहरि की अलौकिक चरित्र की कथा सुनाकर सभी को आनंदमय कर दिये। ( कोठारीश्री शेर गाँव )

### लुणावाडा (कडियावाड) प्रसादी के मंदिर में चिन्ह चिंतामणी ग्रंथ पारायण

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा एवम् समस्त धर्मकुल के आशीर्वाद से तथा जेतलपुरधाम के पू. महंत स.गु. शा. स्वामी आत्मप्रकाशदासजी तथा पू. पी.पी. स्वामी की प्रेरणा और जेतलपुरधाम के पू. महंतश्री के.पी. स्वामी के मार्गदर्शन से अ.नि. स.गु. स्वा. वासुदेवचरणदासजी की स्मृति में लुणावाड कडियावाड प्रसादी के मंदिर में पंचरात्रिय चिन्ह चिंतामणी की पारायण स.गु. शा. स्वा. भक्तिनंदनदासजी के वक्ता पद से सभी गाँववाले लाभ लिये ।इसके यजमान प.भ. अनिलभाई भाटीया परिवार था ।

( कोठारीश्री लुणावाडा )

### माणसा गाँव में श्रीमद् भागवत कथा

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा-आशीर्वाद से अहमदाबाद मंदिर के महंत स्वामी पू. स.गु. शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी की प्रेरणा से और माणसा मंदिर के महंत शा. स्वामी धर्मकिशोरदासजी के सहयोग से प.भ. कांतिलाल अंबालाल पटेल तथा प.भ.भीखीबेन कांतिलाल पटेल के संकल्प से उनके पुत्र नरेन्द्रभाई कांतिलाल पटेल, दिल्पेशकुमार कांतिलाल पटेल के अच्छे प्रबन्ध से ता. १५-११-२३ से ता. १९-११-२३ तक श्रीमद् भागवत पंचान्ह पारायण सम्प्रदाय के प्रसिद्ध कथाकार पू. स.गु. शास्त्री स्वामी रामकृष्णदासजी (कोटेश्वर) के वक्ता पद से वृंदावनदाम माणसा में पूर्ण की गई।

कथा के मध्य ता. १७-११-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री पधारे थे। यजमान परिवार को आशीर्वाद दिये ते। कथा के पूर्णाहुति के समय ता. १९-११-२३ को प.पू. लालजी महाराजश्री पधारकर सभी भक्तो को आशीर्वाद दिये थे। सभा का सुंदर संचालन स.गु. शास्त्रीस्वामी गोपालचरणदासजी (कलोल) ने किया था।

(कोठारी शा. स्वामी नारायणमुनिदासजी)

### बिलोदरा (माणसा) गाँव में दशाब्दी पाटोत्सव एवम् श्रीमद् भागवत पारायण

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की परमकृपा से प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा-आशीर्वाद से अहमदाबाद मंदिर के महंत स्वामी पू. स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी तथा स.गु. शा. स्वामी व्रजभूषणदासजी (गांधीनगर) की प्रेरणा मार्गदर्शन से श्री स्वामिनारायण सत्संग मंडल तथा समस्त बिलोदरा गाँव के सुंदर प्रबन्ध से श्री स्वामिनारायण मंदिर बिलोदरा दशाब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में श्री स्वामिनारायण मंदिर बिलोदरा दशाब्दी महोत्सव का उपलक्ष्य में स.गु.शा. स्वामी सुव्रतस्वरुपदासजी के वक्ता पद से संगीत मय वातावरण में पूर्ण हुआ। ता. २०-११-२३ से २४-११-२३ तक हुआ। इस अवसर पर भव्य शाकोत्सव, तुलसी विवाह, अन्नकूट, पोथीयात्रा सम्पन्न हुई। ता. २४-११-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री पधारे थे। और निज मंदिर में ठाकुरजी का अन्नकूट आरती करके शाकोत्सव का वगार किये थे। सभा को आशीर्वाद दिये थे। शाकोत्सव के यजमान पटेल सोनलबेन नवनीतकुमार (मांडवी-कच्छ) परिवार था। सभा का संचालन उनावा मंदिर के महंत स्वामी देवप्रकाशदासजी ने किया था। धामो-धाम से संत पधारे थे।

(कोठारीश्री बिलोदरा)

### श्री स्वामिनारायण मंदिर परढोल मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्सव

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा-आशीर्वाद से तथा पूज्य स.गु. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी (कालुपुर मंदिर) की प्रेरणा मार्गदर्शन से श्री स्वामिनारायण सत्संग समाज तथा समस्त परढोल गाँव के सुंदर प्रबन्ध से ता. ३-१२-२३ से ५-१२-२३ तक नूतन श्री स्वामिनारायण मंदिर परढोल में मूर्ति प्रतिष्ठा महोत्व के उपलक्ष्य में श्री मद् भागवत त्रिदिनात्मक कथा पारायण स.गु. शास्त्री स्वामी श्री सत्यसंकल्पदासजी (कोटेश्वर) के वक्ता पद से पुरी हुई। गाँव के सभी हरिभक्त तन, मन, धन से सेवा दिये। श्रीहरि की कृपा प्राप्त किये।

ता. ५-१२-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा ठाकुरजी की प्राण प्रतिष्ठा पूर्ण की गई। इसके बाद सभा में आये सभी को आशीर्वाद दिये थे। पूरे प्रसंग को सभापतिने सुंदर संचालित किये थे। स.गु. कोठारी शास्त्री स्वामी नारायणमुनिदासजीने किया था। (कोठारी एन. एम. शास्त्री - कालुपुर)

### अपने श्री स्वामिनारायण मंदिर मुबारकपुरा १३ वाँ वार्षिक पाटोत्सव - शाकोत्सव

परमकृपालु श्री नरनारायणदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा एवम् स.गु. पू. महंत शास्त्री स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी (कालुपुर) तथा स.गु. शा. स्वा. व्रजभूषणदासजी (गांधीनगर) की प्रेरणा मार्गदर्शन से श्री स्वामिनारायण मंदिर के समस्त सत्संग परिवार मुबारकपुरा के सुंदर प्रबन्ध से ता. १-१२-२०२३ से ता. ३-१२-२०२३ तक श्री स्वामिनारायण मंदिर में विराजमान ठाकोरजी का १३ वाँ वार्षिक पाटोत्सव एवम् भव्य शाकोत्सव के अन्तर्गत "श्री विदुरनीति" त्रिदिवसीय पारायण स.गु. महंत शा. स्वा. यज्ञप्रकाशदासजी (कलोल) के वक्तापद से पूर्ण किया गया। ता. ३-१२-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के करकमलो द्वारा ठाकुरजी का १३ वाँ पाटोत्सव, अन्नकूट आरती तथा शाकोत्सव मनाया गया। सभी को आशीर्वाद दिये। सभी हरिभक्त तन, मन, एवम् धन से सेवा दिये थे। इस अवसर पर संत-महंतश्री

पधारकर अमृतवाणी का लाभ उठाये थे। सभा का संचालन उनावा मंदिर के महंत शा. स्वा. देवप्रकाशदासजीने शोभा बढाया था। (कोठारीश्री मुबारकपुरा)

**श्री स्वामिनारायण मंदिर हिम्मतनगर**

सर्पोपरी श्री स्वामिनारायण भगवान की परम कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा से तथा यहाँ के मंदिर के महंत शा. प्रेमप्रकाशदासजी की प्रेरणा से भाद्र शुक्ल पक्ष-११ श्री गणपति की पूजा, प्रत्येक महीने के अन्तिम रविवार को खीचडी उत्सव शुक्ल एकादशी शायं प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री के आज्ञा से प्रत्येक मंगलवार तथा दोनो एकादशी को बहनो की सभा की जाती है। पू. लालजी महाराजश्री के आज्ञा से प्रत्येक रविवार को बालक-बालिकाओकी सभा की जाती है। युवक मंडल महिला मंडल सुंदर सेवा देते है। (घनश्याम भगत)

## मूली प्रदेश के समाचार

**श्री स्वामिनारायण मंदिर हलवद**

मूलीधाम निवासी श्री राधाकृष्णदेव महाराज की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से श्री स्वामिनारायण मंदिर हलवद (टावरवाला) ता. १३-१०-२३ के दिन १२ घंटे की अखंड धुन का पाठ किया गया था। ठाकुरजी का अलौकिक अन्नकूट किया गया था। ब्रह्मदर्शन स्वामीने पूरा प्रबन्ध किया था। यहाँ पर बाल मंडल की सुंदर प्रवृत्ति सा. स्वा. भक्तिनंदासजी थे। (अनिल दूधरेजीया)

**श्री स्वामिनारायण मंदिर कारोल (जि. चूडा) पाटोत्सव**

मूलीधामवासी श्री राधाकृष्णदेव की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री के आज्ञा से कारोल मंदिर का पाटोत्सव ता. १९-११-२३ से कार्तिक शुक्ल पक्ष-७ को मनाया गया। बहनो द्वारा सुंदर अन्नकूट बनाया गया था। हरिभक्त दर्शन करके धन्य हुए। (कोठारी नरेन्द्रभाई सोनी)

**श्री स्वामिनारायण मंदिर धूलकोट (बहनो का) दशाब्दी महोत्सव**

मूली श्री राधाकृष्णदेव हरिकृष्ण महाराज की कृपा से तथा प.पू.ध.धु. आचार्य महाराजश्री की आज्ञा से तथा बड़े महाराजश्री, भावि आचार्य प.पू. १०८ श्री व्रजेन्द्रप्रसादजी महाराजश्री तथा प.पू.अ.सौ. लक्ष्मीस्वरुप गादीवालाश्री के आशीर्वाद से तथा अ.नि. सांख्ययोगी पू. गोदावरीबा (कालुपुर) की दिव्य प्रेरणा से तथा अहमदाबाद मंदिर के पू. महंत स.गु. शा. स्वामी पुरुषोत्तमप्रकाशदासजी तथा पू. सद्. स्वामी कृष्णवल्लभदासजी (मूली) के मार्गदर्शन में सां.यो. मंजुबा, भारतीबा तथा शिष्य मंडल (हवेली कालुपुर) के प्रबन्ध से ता. १६-११-२३ से ता. २१-११-२३ तक श्री स्वामिनारायण मंदिर (बहन) धूलकोट का दशाब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में पू. स.गु. शा. स्वामी दिव्यप्रकाशदासजी (नाराणघाट महंतश्री) और पू. स.गु. शा. स्वामी सत्संगसागरदासजी (मूली) के वक्तापद से श्रीहरि स्मृति पंचान्ह पारायण उल्लास पूर्वक मनाया गया था। ता. १७-११-२३ के दिन प.पू.ध.धु. आचार्यम हाराजश्री पधारे थे। ठाकुरजी की आरती उतारे थे। सभी में आये लोगो को आशीर्वाद दिये थे।

सम्पूर्ण महोत्सव के मुख्य यजमान प.भ. मधुबेन भीखाभाई पटेल (डांगरवा), पाटोत्सव के मुख्य यजमान सां.यो. मंजुबा, भारतीबा, शिष्य सां.यो. मयूरीबा, निशाबा और दिव्याबा (हवेली) पाटोत्सव के सहयजमान श्री नरनारायणदेव महिला मंडल (अहमदाबाद) ने लाभ लिया। ता. १९-११-२३ के दिन प.पू.अ.सौ. बड़े गादीवालाश्री पधारकर बहनो को आशीर्वाद दिये थे। ता. २१-११-२३ के दिन प.पू. लालजी महाराजश्री और प.पू.अ.सौ. गादीवालाश्री पधारकर आशीर्वाद दिये थे। मूली, अहमदाबाद, जेतलपुर, सुरेन्द्रनगर, चराडवा आदि धाम से महंत स्वामी और संत पधारकर अपने अमृत वाणी का लाभ दिये। धामो-धाम से सांख्ययोगी बहने भी पधारी थी

(धूलकोट सत्संग मंडल)

**योगीश्वर के दिव्य एश्वर्य पुस्तक में प्रेसदोष सुधार**

अपने मंदिर द्वारा प्रकाशित ''योगीश्वर के दिव्य एश्वर्य'' नाम की पुस्तक में पृष्ठ संख्या २५७ में कांकरिया रामबाग श्री स्वामिनारायण मंदिर (वाला मंदिर) श्री बालस्वरुप कष्ट भंजनदेव की प्राण प्रतिष्ठा अपने आदि आचार्य प.पू. अयोध्याप्रसादजी महाराजश्री ने किया था। यह पूरे सम्प्रदाय को ज्ञात है। लेकिन इस पुस्तक में शर्तचूक प्रेस मे दोष हुआ है। मू.अ.मू.स.गु. गोपालानंद स्वामी छप गया था। जो शर्त चूक के कारण हुआ है।

## अहमदाबाद मंदिर में श्री ठाकुरजी का थाल तथा संतवर्णी पार्षदो की रसोई देने वालो की सूची

**भादरवा सुद-१** अ.नि. स.गु. स्वामी वासुदेवचरणदासजीनी त्रयोदशा निमित्ते ( कालुपुर मंदिर ), प.भ. प्रेमबाई बचुभाई केराई ( नारायणपर-कच्छ ). **भादरवा सुद-२** प.भ. महादेवभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. गोपालभाई रेवाभाई पटेल ( कुकरवाडा ), प.भ. मधुबेन नटवरलाल पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. चेतनाबेन दिनेशभाई पटेल ( तरांगडी-उंझा ), प.भ. अमरतबेन दामोदरभाई ( यशवंतपुरा ), प.भ. विवेक जयंतकुमार व्यास ( गोदरेज गार्डन सीटी ), प.भ. पोपटभाई रामजीभाई गोंडलीया ( अहमदाबाद ), प.भ. चौधरी रीनाबेन राजुभाई ( बालवा ). **भादरवा सुद-३** प.भ.अ.नि. वालबाई रामजी वेकरीया ( दहींसरा-कच्छ ). **भादरवा सुद-४** प.भ. शारदाबेन नारणभाई गोहेल ( अहमदाबाद ), प.भ. वालजी लालजी वेकरीया ( मांडवी-कच्छ ), प.भ. जयसुखभाई टीबडीया ( अंकलेश्वर ), प.भ. पुरूषोत्तमदास के. पटेल ( जानवड ), प.भ. पटेल दिपकभाई काशीभाई ( लसुन्द्रा ). **भादरवा सुद-६** प.भ.अ.नि. जयंतीभाई मोहनभाई पटेल ( बोपल ), प.भ. शारदाबेन बालुभाई वेकरीया ( अहमदाबाद ), प.भ. बिपीनभाई करशनभाई ( निकोल ), प.भ.अ.नि. शांताबेन ननुभाई डोबरीया ( निकोल-अहमदाबाद ). **भादरवा सुद-७** प.भ. जादवा परबत सावलीया ( नारायणपर-कच्छ ), प.भ. जीगरभाई जी. सावलीया ( अहमदाबाद ). **भादरवा सुद-८** प.भ.अ.नि. मंजुलाबेन शांतिलाल पटेल ( बापुनगर ), प.भ. भरतकुमार बालुलाल पटेल ( निकोल ), प.भ. चौधरी हर्षिल दिलीपभाई ( प्रतापपुरा ). **भादरवा सुद-९** प.भ.अ.नि. रमेशभाई अंबालाल पटेल ( धमासणा ). **भादरवा सुद-१०/११** प.भ.अ.नि. मंजुलाबेन शांतिलाल देसाई, प.भ. वाघेला जीतेन्द्रसिंह गंभीरसिंह ( गोधावी ), प.भ.अ.नि. मेघजीभाई मूलजीभाई गोंडलीया ( कोडकी-कच्छ ), प.भ. महेन्द्रभाई बेचरभाई पटेल ( झुंडाल ) **भादरवा सुद-११** प.भ. नारण देवजी भूडीया ( कोडकी-कच्छ ), प.भ.अ.नि. एस. एन. शेलत साहेब ( अहमदाबाद ). **भादरवा सुद-१२/१३** प.भ.अ.नि. धनलक्ष्मीबेन एम. भावसार ( अहमदाबाद ), प.भ. रमेशभाई लक्ष्मणभाई ठुमर ( सुरत ), प.भ. मनजी शिवजी हिराणी ( नारणपर-कच्छ ), श्री स्वामिनारायण मंदिर हिंमतनगर, प.भ.अ.नि. बालुबेन कानजीभाई ( जयदेवपुरा ), प.भ. झाला तरूणसिंह अशोकसिंह ( गोधावी ), प.भ.अ.नि. धनबाई भीमजी केराई ( रामपरवेकरा-कच्छ ), प.भ. ऋत्वीज आर. पटेल ( अहमदाबाद ), श्री नरनारायणदेव ओच्छव मंडल ( कालुपुर मंदिर ), प.भ. रवजी वालजी राबडीया ( सरली-कच्छ ). **भादरवा सुद-१४** प.भ.अ.नि. मानबाई रमेश वरसाणी ( भुज-कच्छ ) **भादरवा सुद-१५** प.भ. मधुभाई गोरधनभाई लाठीया ( बापुनगर ), प.भ. निलेशभाई धनजीभाई काकडीया ( निकोल ), प.भ.अ.नि. रविकांत मस्की ( अहमदाबाद ), सत्संगी महिला मंडल ( धमासणा ), प.भ. मयंक कामदार ( पोरबंदर ), प.भ. वाघजीभाई विरजीभाई वेकरीया ( नारायणपर-कच्छ ).

**भादरवा वद-१** प.भ. चौधरी बलदेवभाई जोईताराम ( ईश्वरपुरा-बदपुरा ), प.भ.अ.नि. हेमराजभाई एन. परमार ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. रणछोडभाई गंगदासभाई चोटलीया ( अहमदाबाद ), प.भ. पटेल आहान ( चांदेडा ), प.भ. मुकेशकुमार कांतिलाल ( अहमदाबाद ). **भादरवा वद-२** प.भ. अरविंदभाई रामाभाई चौधरी ( बालवा ), प.भ. व्रज परागभाई महेता ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. सोमदास मोतीदास पटेल ( डांगरवा ), प.भ. प्रफुलभाई परसोतमभाई पटेल ( बाकरोल ), प.भ. लीलाबेन प्रहलादभई पटेल ( करजीसण ), प.भ. शर्मिष्ठाबेन भावसार ( अहमदाबाद ), प.भ. दिनेशभाई भोलाभाई राददीया ( निकोल ), प.भ. चौधरी जेसंगभाई गेमरजीभाई ( बालवा ), प.भ.अ.नि. दिपकभाई रतीलाल कंसारा ( जेतलपुर ), प.भ.अ.नि. मोहनलाल त्रिभोवनदास पटेल ( ट्रेन्ट ), प.भ. पटेल हरगोविंददास चतुरदास ( राजपुरवाला ), प.भ. किरणकुमार मणीभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. हरि प्रज्ञेशकुमार पटेल ( डांगरवा ), प.भ. राणा नगीनदास कांतिभाई, प.भ. मुकेशकुमार कांतिलाल राघनपुरा ( अहमदाबाद ). **भादरवा वद-३/४** प.भ.अ.नि. चंद्रिकाबेन नटवरभाई भावसार ( गांधीनगर ), प.भ.अ.नि. सूर्यप्रसाद मंगलप्रसाद पांडे ( अहमदाबाद ), प.भ. निलेशभाई रमेशभाई पटेल ( उनावा ), प.भ.अ.नि. जीवतीबेन नारणभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. मुकेशभाई अंबालाल ( गवाडा ), अ.नि. स.गु. स्वा. जीष्णुचरणदासजीना निमित्ते ( मूली-चराडवा ), प.भ.अ.नि. हिंमतभाई केशवभाई सुदाणी ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. सुनिलभाई मोहनभाई परमार ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. सिल्कीबेन बिन्देशभाई पटेल ( गांधीनगर ). **भादरवा वद-५** प.भ.अ.नि. राधाबेन मूरजी जेसाणी ( दहींसरा-कच्छ ), प.भ.अ.नि. मनुभाई चिंमनलाल परमार, प.भ.अ.नि. रसिलाबेन मनसुभाई पीपलीया ( निकोल ), प.भ. पटेल providing ताराबेन माणेकलाल ( डांगरवा ), प.भ. जीवतीबेन रामजीभाई वाघेला ( पूना ). **भादरवा वद-६** प.भ. करशन कानजी सियाणी ( सामत्रा-कच्छ ), प.भ. पटेल प्रविणकुमार त्रिभोवनदास ( अहमदाबाद ). **भादरवा वद-७** प.भ.अ.नि. रलीयातबेन वाघजीभाई कोठीया ( अहमदाबाद ), प.भ. पटेल बलदेवभाई लालदास ( झुलासण ), प.भ. रमेशभाई भीमजी राबडीया परिवार ( भारासर-कच्छ ), प.भ. आरजुबेन किरीटभाई पटेल ( झुंडाल ). **भादरवा वद-८** प.भ.अ.नि. महेन्द्रभाई गंगारामभाई जोशी ( अहमदाबाद ), प.भ. राजेशभाई जेरामभाई मागोरीया ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. ईन्दुमतीबेन रमणलाल शाह ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. हिरजी वालजी जीयाणी ( नारणपर-कच्छ ). **भादरवा वद-९** प.भ.अ.नि. प्रविणभाई जादवजीभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. रमेशभाई विठ्ठलभाई पटेल ( सलारका ), प.भ. मंजुलाबेन जीतेश वकेरीया ( भुज-कच्छ ), प.भ.अ.नि. बाबुलाल अंबालाल भावसार ( मोटप ), प.भ. जीगरभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. मेहुलभाई शांतिभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. रामजीभाई धनजीभाई, प.भ. पटेल मेहुल जयंतीभाई ( जवारज ), प.भ.अ.नि. साकरबेन भगवानदास ( झूंडालवाला-गांधीनगर ), प.भ. हर्षदभाई गिलेटवाला ( अहमदाबाद ), प.भ. दर्शन धर्मेशभाई ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. कालीदास अमथीदास पटेल ( मोतीपुरा ), प.भ. भूपेन्द्रभाई जीवणभाई प्रजापती ( आंतरसुबा ), प.भ. हरिशभाई पंड्या ( अहमदाबाद ), प.भ. पृथ्वी मंदा सुरेश पंचाल ( अहमदाबाद ),

## अहमदाबाद मंदिर में श्री ठाकुरजी का थाल तथा संतवर्णी पार्षदो की रसोई देने वालो की सूची

प.भ. पटेल नटवरभाई रेवाभाई ( मोडासा ), प.भ. हरिदर्शन लालभाई पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ. ललीताबेन अरजणभाई चौहाण ( अहमदाबाद ), प.भ. सुरेशभाई नाथालाल पटेल ( कलोल ). **आदरवा वद-१०** महिला मंडल हवेली ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. नटवरभाई देवचंदभाई सोनी ( अहमदाबाद ), प.भ. जानकीबेन पटेल ( गुलाबपुरा ). **आदरवा वद-११** प.भ.अ.नि. लक्ष्मणभाई भीमजीभाई राघवाणी ( बलदीया-कच्छ ). **आदरवा वद-१२** प.भ.अ.नि. भीखाभाई भावसार ( सरसपुर ), प.भ.अ.नि. मंजुलाबेन जगदीशभाई पटेल ( ओला ), प.भ.अ.नि. भीमजीभाई मेघजीभाई डोबरीया ( बापुनगर ), प.भ. प्रकाशभाई नानालाल जोबनपुत्रा ( गांधीनगर ), प.भ.अ.नि. लक्ष्मणभाई भीमजीभाई राघवाणी ( बलदीया-कच्छ ), प.भ.अ.नि. वालजी लक्ष्मण राघवाणी ( बलदीया-कच्छ ), प.भ. धनजी लक्ष्मणभाई राघवाणी ( बलदीया-कच्छ ), प.भ. मनजी शिवजी हिराणी ( नारायणपर-कच्छ ). **आदरवा वद-१३** प.भ.अ.नि. अमथाभाई केवलभाई पटेल ( गवाडा ), प.भ.अ.नि. भगवानदास शिवदास पटेल ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. मंजुलाबेन त्रिभोवनदास पटेल ( आणंद ). **आदरवा वद-१४** प.भ. नरेन्द्रभाई प्राणजीवन पारे ( अहमदाबाद ), प.भ. प्रफुलभाई नागजीभाई देवाणी ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. जयंतीभाई भूलाभाई पटेल ( रायचंदनगर ), प.भ. चेतनकुमार शांतिलाल वेगड ( सुरत ), प.भ.अ.नि. किरणभाई बाबुभाई ब्रह्मभट्ट ( मुंबई ). **आदरवा वद-३०** प.भ. कुंदनबा नागदान सोनी, प.भ.अ.नि. पुरूफईबा, प.भ.अ.नि. वनमालीदास गिरधरदास भावसार ( गांधीनगर ), प.भ. दिव्याबेन उज्जवलकुमार ठक्कर ( अहमदाबाद ), प.भ.अ.नि. शिवाभाई जोईतनदास पटेल ( वडु ), प.भ. उषाबेन मुकेशकुमार पटेल ( अहमदाबाद ).

**आसो सुद-१** प.भ. लक्ष्मीबेन चंदुलाल भावाणी ( ईन्दौर ), प.भ. विनोदभाई रवजीभाई हालाई ( कोडकी-कच्छ ), प.भ.अ.नि. डाहीबेन कांतिलाल पटेल ( लवारपुर ), प.भ. निरवभाई पटेल ( मोसण ), प.भ. डॉ. गोरधनभाई नारणदास ( अहमदाबाद ), प.भ. हरजीभाई नानजीभाई हालाई ( भुज-कच्छ ), प.भ. पटेल वर्षाबेन भरतभाई ( अहमदाबाद ), प.भ. हितेषभाई रमणभाई पटेल ( झुंडाल ), प.भ.अ.नि. गोबरभाई जेरामभाई ( अहमदाबाद ). **आसो सुद-२** प.भ.अ.नि. किशनभाई तथा अ.नि. रूपलबेन ( रामपरवेकरा-कच्छ ). **आसो सुद-३** प.भ. बाबुलाल मणीलाल शाह ( अहमदाबाद ) **आसो सुद-४** अ.नि.ब्र.स्वा. रामचंद्रानंदजी गुरु ब्र. मुनि स्वामी ( स्वा. मंदिर कालुपुर ), प.भ. पुरूषोत्तमभाई चतुरभाई पटेल ( अंबापुर ), प.भ. निलेशभाई मगनभाई पटेल ( वेडागोविंदपुरा ), प.भ. मणीभाई अंबालाल पटेल ( गवाडा ), प.भ. नारण हिरजी गोरसीया ( सुपर-कच्छ ). **आसो सुद-५** प.भ. केसरबाई प्रेमजी वेकरीया ( कुंदनपुर-कच्छ ), प.भ.अ.नि. रतनबेन रामजी असाणी ( वेकरा-कच्छ ), प.भ. मावजीभाई जी. वेकरीया ( बलदीया-कच्छ ), प.भ. जय विजयभाई पटेल ( गांधीनगर ). **आसो सुद-६** अ.नि. स.गु. शास्त्री स्वामी हरिकेशवदासजी ( गांधीनगर ). **आसो सुद-७** श्री कष्टभंजनदेव ( सालंगपुर ), प.भ. पटेल हितार्थ हसमुभाई पटेल ( कलोल ), प.भ.अ.नि. लाभुबेन परसोतमभाई. **आसो सुद-८** प.भ. पटेल धवल भरतभाई ( गोहिल ), प.भ.अ.नि. सामबाई विश्राम भूडीया ( दहींसरा-कच्छ ). **आसो सुद-९** प.भ. पटेल महेशकुमार भुदरभाई ( मोटप ). **आसो सुद-१०** प.भ. रयाणी प्रेक्षा केविनकुमार ( अहमदाबाद ), प.भ. प्रेमजीभाई रावजीभाई चोटलीया ( धूलकोट ), प.भ. गीरीराजसिंह चूडासमा ( अहमदाबाद ), प.भ. परसोतमभाई घनश्यामभाई चावडा ( सुरेन्द्रनगर ). **आसो सुद-१२** प.भ.अ.नि. रतनबाई शीवजी देवसी भूवा ( सुपर-कच्छ ), प.भ.अ.नि. घनश्यामभाई केशवलाल पटेल ( असलाली ), प.भ.अ.नि. मनजी शिवजी हिराणी ( नारायणपर-कच्छ ), प.भ. चौधरी प्रिन्स जयंतिभाई ईश्वरभाई ( ईश्वरपुरा ), प.भ.अ.नि. चंद्रिकाबेन भावसार ( सरसपुर ). **आसो सुद-१३/१४** प.भ. वियान उमेशभाई रामाणी ( अहमदाबाद ). **आसो सुद-१५** प.भ. अंकित अल्केशभाई भावसार, प.भ.अ.नि. जसवंतलाल प्रभुदास पटेल ( मेतपुर ), प.भ. क्रिशीव विकासकुमार पटेल ( विहार ).

**आसो वद-१** प.भ. पटेल ध्रुवित राजेशभाई ईश्वरभाई ( सापावाडा ), प.भ. श्यामभाई करशनभाई राघवाणी ( बलदीया-कच्छ ). **आसो वद-२** प.भ.अ.नि. ठक्कर भाईलालभाई अंबालाल ( अहमदाबाद ). **आसो वद-३** प.भ. भद्रेशभाई पटेल परिवार ( नांदोल ), प.भ. जीत रमेश पूजारा ( अहमदाबाद ), प.भ. पटेल प्रविणभाई जसभाई ( सीजीवाडा ). **आसो वद-४** प.भ. चौधरी संदिपभाई मोहनभाई ( बदपुरा ). **आसो वद-६** प.भ.अ.नि. देवसी नारण केराई ( सुपर-मदनपुर-कच्छ ). **आसो वद-७** प.भ.अ.नि. मनजीभाई दुदाभाई रादडीया ( पीयावा ), प.भ.अ.नि. पार्वतीबेन मनजीभाई रादडीया, ईम्पेट गीफट प.भ. दिनेशभाई ( गांधीनगर ), प.भ. पटेल जीतुभाई भीखाभाई ( अहमदाबाद ). **आसो वद-८** प.भ. पटेल विकासकुमार लक्ष्मणभाई ( उंझा ), प.भ. कृणाल महेन्द्रभाई पटेल ( मोटेरा ), प.भ. अश्विन पटेल - संदिपभाई कंसारा ( अहमदाबाद ), प.भ. लालबाई लक्ष्मण वालजी वेकरीया ( केरा-कच्छ ). **आसो वद-९** पटेल शिवांगीबेन हितेषकुमार ( अहमदाबाद ). **आसो वद-१०** प.भ. चिरायु प्रविणभाई देवाणी ( अहमदाबाद ), प.भ. प्रेमीलाबेन वाघजीभाई ( दहींसरा-कच्छ ). **आसो वद-१२** प.भ. कविषा अल्पेश पटेल ( साबरमती ), प.भ. मनजी शिवजी हिराणी ( नारणपर-कच्छ ), श्रीहरि - हिरेन पटेल ( उनावा ), प.भ.अ.नि. आशिष बी. भावसार ( सरसपुर ), प.भ. निल प्रविणभाई नसित ( अहमदाबाद ), प.भ. शिा अल्पेश पिंडोरीया ( अहमदाबाद ), वर्णी ओवरसीझ ( कलोल ). **आसो वद-१३** प.भ. पटेल प्रहलादभाई खोडीदास ( धुमासणा ). **आसो वद-१४** प.भ. हितेषभाई शांतिलाल ( अहमदाबाद ). **आसो वद-३०** प.भ.अ.नि. विजयभाई राजाभाई झवेरी ( अहमदाबाद )

Printed and Published by **Shastri Swami Purushottamprakashdasji** on behalf of **Shree Swaminarayan Temple** and **Published From :** Shree Swaminarayan Mandir Kalupur, Ahmedabad-380001. Printed at **Asian Printery**, Near Talati Hall, Raipur, Ahmedabad-380001.
**Editor :** Shastri Swami Purushottamprakashdasji

अहमदाबाद मंदिर के प्रसादी चौक में शरद पूनम को जनमेदिनी को दर्शन देते प.पू. लालजी महाराजश्री।

रंगमहोल श्री घनश्याम महाराज का १३८ वे पाटोत्सव अवसर पर अभिषेक करते प.पू. आचार्य महाराजश्री और उस प्रसंग पर प.पू. गादीवालाश्री की आज्ञा से बहनो को भी दर्शन का लाभ मीला था।

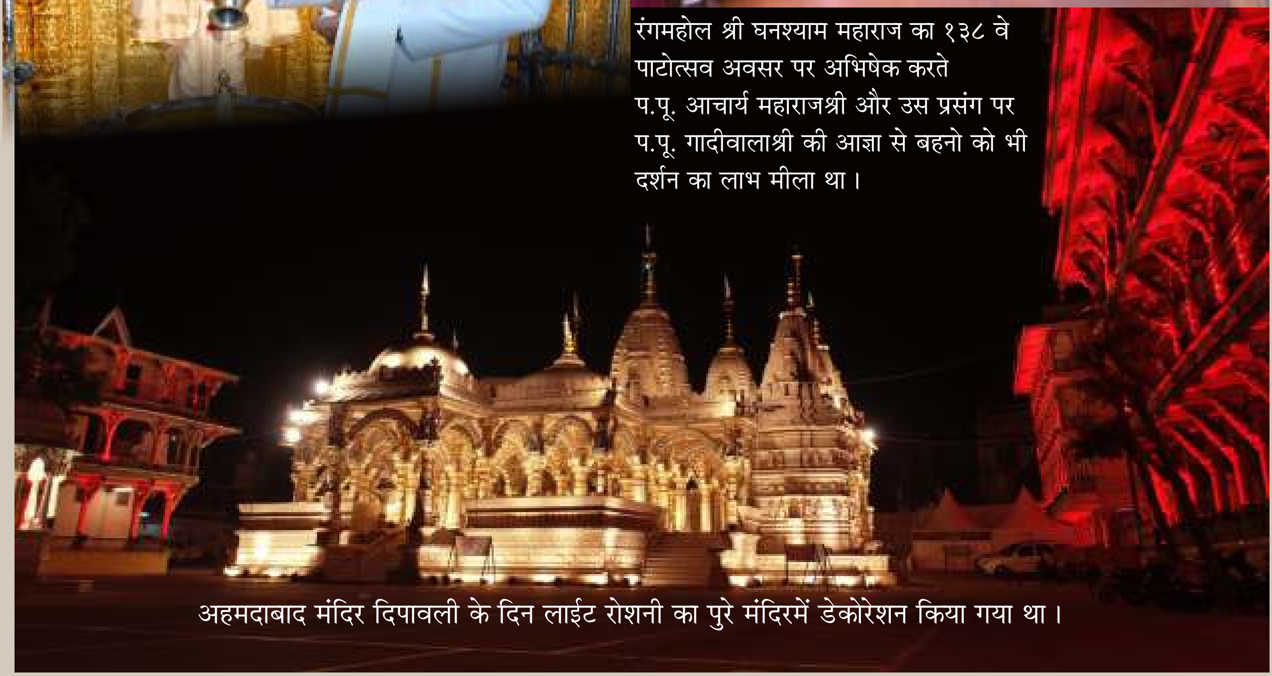

अहमदाबाद मंदिर दिपावली के दिन लाईट रोशनी का पुरे मंदिरमें डेकोरेशन किया गया था।

Registered under RNI - No - GUJHIN/2007/20220 " Permitted to post at
Ahd PSO on 11 the every month under postal Regd. No. GUJ. 581/2021-2023
issued SSP Ahd Valid up to 31-12-2023

प.पू. आचार्य महाराजश्री का
५१ वाँ प्रागटोत्सव ।

अहमदाबाद मंदिर में दिवाली अन्नकूट की आरती उतराते श्रीहरि के तीनो अपर स्वरुप ।

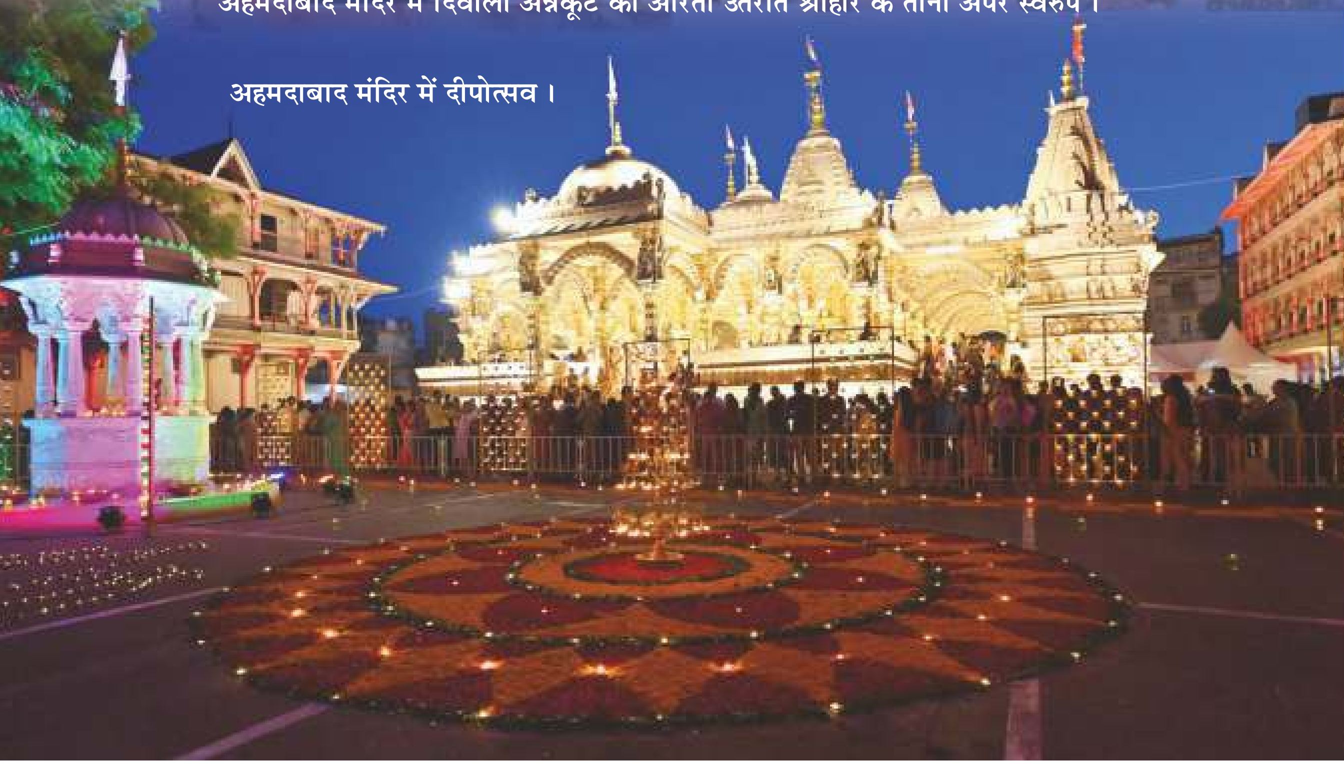

अहमदाबाद मंदिर में दीपोत्सव ।